@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 332 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड केस

जांच के लिए 6 सदस्यीय एसआईटी का गठन

चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे नेतृत्व

पांच आईपीएस और सीपीएस अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया है।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के सुसाइड मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे। इनके अलावा पांच आईपीएस और सीपीएस अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया है। एसआईटी में शामिल अन्य सदस्यों में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप सिंह, एसपी सिटी केएम प्रियंका, डीएसपी (ट्रैफिक) चरणजीत सिंह विर्क, एसडीपीओ (साउथ) गुरजीत कौर और एसएचओ (पश्चिम) जयवीर सिंह राणा शामिल हैं। चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत ने शुक्रवार को एसआईटी गठन के संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया, 'एफआईआर संख्या 156/2025, धारा 108/3(5) बीएनएस और 3(1)(आर) एससी/एसटी (पीओए) अधिनियम, 2013 के तहत पुलिस स्टेशन सेक्टर-11

(पश्चिम), चंडीगढ़ में आरोपों की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए आईजीपी, चंडीगढ़ की देखरेख में मामले की त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का तत्काल प्रभाव से गठन किया जाता है।' आदेश के अनुसार, एसआईटी मामले में सभी पहलुओं की समयबद्ध तरीके से जांच करेगी, जिसमें साक्ष्य जुटाना, गवाहों से पूछताछ, विशेषज्ञों की राय और कानूनी सलाह जैसे विषय शामिल हैं। जांच पूरी होने पर एसआईटी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। आदेश में यह भी बताया गया है कि एसआईटी जरूरत के अनुसार अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकती है।2001 बैच के आईपीएस अधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वाई पूरन कुमार चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए थे।

चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने 9 पन्नों का एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा, जिसमें 15 सेवारत और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं।चंडीगढ़ पुलिस ने उनके 'सुसाइड नोट' में नामजद लोगों के खिलाफ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की।

फिलहाल, इस मामले पर राजनीति जारी है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, 'अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के तहत किसे न्याय मिलेगा। एक अधिकारी, जिसने बार-बार न्याय मांगा, लेकिन उसे इनकार कर दिया गया।' शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग चंडीगढ़ में परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा, 'यह मौत अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।'

राष्ट्रपति मुर्मु ने किए प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के दर्शन

गांधीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव का दर्शन पूजन किया और महादेव के चरणों में शीश झुकाकर माथा टेका। राष्ट्रपति ने भगवान सोमनाथ दादा से देश के नागरिकों के जनकल्याण और सुख-समृद्धि के लिए भावपूर्वक प्रार्थना की। उन्होंने भक्ति, भव्यता और दिव्यता के प्रतीक प्रथम ज्योतिर्लिंग के समक्ष गंगाजल अर्पित किया और दिव्य मंत्रोच्चार के बीच सोमेश्वर महापूजा कर धन्यता का अनुभव किया। इसके पूर्व सोमनाथ मंदिर परिसर पहुंचने पर राष्ट्रपति का पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेरा, सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव पी.के. लहेरी, ट्रस्टी जे.डी. परमार तथा ट्रस्ट के सचिव योगेंद्र देसाई ने स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मु और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भारत के कर सुधार निर्णायक चरण में

परदर्शी सिस्टम तैयार करने पर फोकस - नीति आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कर सुधार एक निर्णायक चरण में है और सरलीकरण, आधुनिकीकरण और कर प्रशासन में विश्वास के एकीकरण पर फोकस किया जा रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम की ओर दी गई। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे भारत प्रवर्तन-संचालित अनुपालन से विश्वास-आधारित शासन की ओर बढ़ रहा है, फोकस आनुपातिक, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रवर्तन सिस्टम पर केंद्रित होना चाहिए जो करदाताओं को सशक्त बनाते हुए राजकोषीय अखंडता की रक्षा करें।' नीति आयोग ने शुक्रवार को नीति टैक्स पॉलिसी वर्किंग पेपर सीरीज-II के तहत दूसरा वर्किंग पेपर जारी किया, जिसका शीर्षक 'भारत के कर परिवर्तन की ओर~ गैर-अपराधीकरण और विश्वास-आधारित शासन' था। इस

वर्किंग-पेपर में आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत आपराधिक प्रावधानों का व्यापक मूल्यांकन किया गया है और उनकी आवश्यकता, आनुपातिकता और सरकार के व्यापक सुधार एजेंडे के साथ संरेखण का मूल्यांकन किया गया है। साथ ही, इसमें दंड को तर्कसंगत बनाने, छोटे और प्रक्रियागत गैर-अनुपालनों को अपराधमुक्त करने और न्यायिक विवेकाधिकार को सुदृढ़ करने के लिए सिद्धांत-आधारित ढांचे का प्रस्ताव किया गया है। नीति आयोग के वर्किंग-पेपर में कहा गया कि 2025 अधिनियम में कई पुराने अपराधों को खत्म कर दिया गया है, लेकिन 13 प्रावधानों में 35 कार्यों और गलती को आपराधिक श्रेणी में रखा गया है, जिनमें से अधिकांश में अनिवार्य कारावास का प्रावधान है। वर्किंग-पेपर में एक सुनियोजित गैर-अपराधीकरण रोडमैप की सिफारिश की गई है, जिसमें मामूली प्रक्रियागत चूक के लिए कारावास को हटाना, धोखाधड़ी या जानबूझकर कर चोरी से जुड़े मामलों तक ही आपराधिक दंड को सीमित करना और सिविल और प्रशासनिक सजा की भूमिका को बढ़ाना शामिल है। सुब्रह्मण्यम के अनुसार, ऐसे सुधारों से मुकदमेबाजी कम होगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के अनुरूप एक निष्पक्ष और पूर्वानुमानित कर व्यवस्था के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

सीएम नीतीश कुमार को बड़ा झटका

पूर्व सांसद समेत कई नेता आरजेडी में शामिल

एजेंसी

पटना। एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चल रहे असमंजस के बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और एक मौजूदा सांसद के बेटे ने शुक्रवार को पटना में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का दामन थाम लिया। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की उपस्थिति में औपचारिक रूप से राजद का दामन थाम लिया। उनके साथ जहानाबाद से जदयू के पूर्व विधायक राहुल शर्मा और बांका से जदयू सांसद गिरधारी यादव के पुत्र चाणक्य प्रकाश ने भी राजद का दामन थाम लिया। राहुल शर्मा पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के पुत्र हैं और भूमिहार समुदाय से आते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना ??है कि उनके शामिल होने से कई भूमिहार बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में राजद की पकड़ मजबूत हो सकती है, जिन्हें लंबे समय से जेडीयू का गढ़ माना जाता है। पटना स्थित राजद कार्यालय में आयोजित समारोह में अब्दुल बारी सिद्दीकी, जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र यादव और बीमा भारती सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस अवसर पर तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनकी सरकार को साढ़े तीन लोग नियंत्रित कर रहे हैं जो उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि यह नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव है। वह दोबारा मुख्यमंत्री

नहीं बनेंगे। भाजपा उनकी पार्टी को तोड़ देगी। महाराष्ट्र और झारखंड में ऑपरेशन लोटस के दौरान, उन्होंने 2022 में बिहार में भी जेडीयू को तोड़ने की यही कोशिश की थी। डर के मारे नीतीश कुमार मेरे पास आए और अपनी पार्टी बचाने के लिए मदद मांगी। हमने उनका समर्थन किया और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन उन्होंने हमें फिर से धोखा दिया।

मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड 24 अक्टूबर तक बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत ने 24 अक्टूबर तक बढ़ा दिया। वे तब तक जेल में ही रहेंगे। ईडी की ओर से मामले की जांच के लिए और समय की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में 18 जुलाई को भिलाई निवास स्थान से गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक चैतन्य बघेल ने 16 करोड़ 70 लाख रुपये की अवैध कमाई को अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में इन्वेस्ट किया। आरोप है कि यह पैसा नकद में ठेकेदारों को भुगतान फर्जी बैंक एंट्री और फ्लैट खरीदी के बहाने से उपयोग किया गया।

विदेश मंत्रालय ने 'स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0' शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत'स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0' शुरू किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि यह अभियान 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा। विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 4 से 31 अक्टूबर 2025 तक 'स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0' शुरू किया गया है, जो स्वच्छता ही सेवा के तहत एक विशेष सफाई अभियान है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों में स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रदान करना है। अभियान के दौरान मंत्रालय कार्यालयों में सफाई की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, कचरे के सही निपटान और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही सार्वजनिक शिकायतों के त्वरित निपटान और कार्य पेंडेंसी कम करने पर भी जोर रहेगा। इससे पहले, मंत्रालय ने 0स्वच्छता ही सेवा

31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

2025' अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मंत्रालय के सभी कार्यालयों, विदेश मिशनों, पोस्टों और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में चलाया गया। इस दौरान 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और 'स्वच्छ भारत दिवस' भी मनाया गया। विदेश मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा 2025' के पांच मुख्य क्षेत्रों पर फोकस किया, जिसमें स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों का परिवर्तन, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, सफाईमित्र सुरक्षा शिविर, क्लीन ग्रीन उत्सव और जागरूकता अभियान शामिल रहे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस पहल का नेतृत्व किया और 25 सितंबर को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में -एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अभियान के तहत मंत्रालय ने पहले ही स्वास्थ्य शिविर, 25 से अधिक सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, 276 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों की सफाई, स्वच्छता रन, साइक्लोथॉन, पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिताए।

गरीबों का दीपावली से पहले घर का सपना साकार

सीएम योगी ने गोरखपुर में 160 परिवारों को सौंपी लैट की चाबी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले गोरखपुर में गरीबों को अनमोल उपहार सौंपा। पाम पैराडाइज, देवरिया बाईपास स्थित हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां भेंट कीं। इनमें 80 फ्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं। साथ ही, गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ रुपए की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम ने पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार की एक तमन्ना होती है कि उसका अपना एक घर हो, सर ढकने को छत मिले। आज 160 परिवारों को यह दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। कार्तिक मास के शुभ

मुहूर्त में यह उपलब्धि और भी खास है। उन्होंने कहा कि एक परिवार में औसतन 5-6 सदस्य होने पर करीब 700-800 लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं।

यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास ही नहीं, बल्कि जीवन की महत्वपूर्ण घटना होती है। सीएम योगी ने कहा कि आवास वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ हुआ। जीडीए की हाउसिंग स्कीम में 40 विस्थापित परिवारों को प्राथमिकता दी गई। शेष 120 परिवारों का चयन लॉटरी से हुआ। 9,000 से अधिक आवेदनों में से ये सौभाग्यशाली हैं। विकास प्राधिकरण को चाहिए कि बाकी जरूरतमंदों के लिए आवास प्रक्रिया तेज करे। ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स 35 वर्ग मीटर के हैं, जिनकी बाजार कीमत 13-15 लाख रुपये है, लेकिन सब्सिडी से मात्र 5.40 लाख रुपये में उपलब्ध हैं। एलआईजी फ्लैट्स 41 वर्ग मीटर के हैं, बाजार मूल्य 19-20 लाख के मुकाबले 10.80 लाख रुपये में। उन्होंने कहा कि जब सरकार और जनप्रतिनिधि ईमानदार होंगे तो गरीबों को अपना घर मिलने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकेशन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस आवास के पास रामगढ़ ताल, जू और खोराबार के बेहतरीन स्थान हैं। यहीं पर कुछ दूरी पर सांसद रवि किशन का आवास भी है। हाई-राइज बिल्डिंग में सभी आधुनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों को चाहिए कि हाई-राइज़ बिल्डिंग के रखरखाव के लिए आवासीय समितियां गठित हों, जिससे लिफ्ट और अन्य व्यवस्थाओं का नियमित मेंटेनेंस हो सके। उन्होंने पूर्व योजनाओं गोरख एंक्लेव, राप्ती नगर और पत्रकारपुरम का भी उल्लेख किया। हर तबके-गरीब, स्ट्रीट वेंडर, श्रमिक, पत्रकार, अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षक और व्यापारियों के लिए भी समय-समय पर विशेष योजनाएं लाई जाएंगी। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के 11 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर 4 करोड़ गरीबों को फ्री आवास उपलब्ध कराए गए हैं। उत्तर प्रदेश में 60 लाख से अधिक गरीबों को आवास मिल चुके हैं। अच्छी नियत से अच्छे कार्य होते हैं। जनता अच्छी सरकार चुनती है, तो विकास गरीब तक पहुंचता है। सीएम योगी ने कहा कि खोराबार स्कीम जल्द आगे बढ़ेगी।

भारत और ब्रिटेन ने रक्षा सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर की चर्चा

मुंबई। भारत और ब्रिटेन ने मुंबई में शुक्रवार को रक्षा सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों के बीच यह चर्चा रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और ब्रिटेन के रक्षा राज्य मंत्री (हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मंत्री) वर्नोन कोकर के साथ द्विपक्षीय बैठक में हुई। यह बैठक ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) की भारत यात्रा के दौरान आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा की और भारत तथा ब्रिटेन के बीच सहयोग को और घनिष्ठ करने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि प्रिंस ऑफ वेल्स के नेतृत्व में ब्रिटेन के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ने भारत के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास कोंकण-25 के समुद्री चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। सीएसजी वर्तमान में मुंबई और गोवा में बंदरगाह चरण की गतिविधियों में लगा हुआ है। रक्षा राज्य मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की परिचालन बातचीत परिचालन दर्शन की आपसी समझ को बढ़ाती है और दोनों नौ सेनाओं के बीच अंतर-संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाले उपकरणों के निर्माण और स्वदेशी प्रणालियों के विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं पर चर्चा की।

मप्र के कफ सिरप मामले में कंपनी मालिक रंगनाथन को परासिया कोर्ट में किया पेश

10 दिन की मिली रिमांड

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में जहरीली कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 23 मासूम बच्चों की मौत के मामले में तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के मालिक गोविंदन रंगनाथन को एसआईटी ने चेन्नई से गिरफ्तार कर शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच छिंदवाड़ा जिले के परासिया की कोर्ट में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग की। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट जस्टिस शैलेंद्र उइके की कोर्ट ने रंगनाथन को 10 दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंपा है। इस दौरान कोर्ट परिसर में आरोपित रंगनाथन पर हमले की कोशिश की गई। वहां मौजूद लोगों ने मारो और फांसी दो के नारे लगाए। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले की जांच के लिए मप्र सरकार द्वारा गठित विशेष

टीम (एसआईटी) ने बुधवार की रात सिरप बनाने की कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल के मालिक गोविंदन रंगनाथन को बुधवार की रात चेन्नई से गिरफ्तार किया था और वहां स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड की मांग की। गुरुवार की रात चेन्नई से उसे लेकर रवाना हुई टीम नागपुर होते हुए शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे छिंदवाड़ा पहुंची। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा से परासिया ले जाया गया, जहां सुबह 11 बजे से रंगनाथन को परासिया थाने में अभिरक्षा में रखा गया था। एसआईटी शाम को रंगनाथन को लेकर परासिया कोर्ट पहुंची। कोर्ट परिसर के बाहर भीड़ लगी हुई थी। मामले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश था।

लोक सभा अध्यक्ष ने बारबाडोस की नेशनल असेंबलीका दौरा किया

एजेंसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने बारबाडोस की नेशनल असेम्बली का दौरा किया। बारबाडोस के हाउस ऑफ असेम्बली के स्पीकर आर्थर होल्डर ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों पक्षों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के आदान-प्रदान, वैश्विक मंचों पर साझेदारी और संसदीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। बिरला ने बारबाडोस संसद में भारत द्वारा 1966 में उपहार दी गई ऐतिहासिक अध्यक्षपीठ का अवलोकन किया, जो भारतीय सागौन की लकड़ी से निर्मित है और दोनों देशों की गहरी सांस्कृतिक साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत और बारबाडोस की लोकतांत्रिक परंपराएं दोनों देशों को करीब ला रही हैं और यह पीठ भारत-बारबाडोस मैत्री का जीवंत उदाहरण है। दोनों देशों ने शिक्षा, संस्कृति, नवीकरणीय ऊर्जा और संसदीय सहयोग में नए अवसर तलाशने पर सहमति जताई। बारबाडोस में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात के दौरान बिरला ने कहा कि भारतीय समुदाय ने मेहनत, ईमानदारी और संस्कारों से विश्व में सम्मान पाया है। उन्होंने भारतीय त्योहारों को एकता का प्रतीक बताते हुए नई पीढ़ी से भारतीय भाषाएँ और संस्कृति सीखने का

आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत आज अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान और एआई जैसी तकनीकों में अग्रणी है और क्रिकेट दोनों देशों को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। सम्मेलन के दौरान बिरला ने ऑस्ट्रेलिया, जमैका और जाम्बिया के संसदीय नेताओं से द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने संसदीय नवाचार, डिजिटल संसद और एआई आधारित उपकरणों के माध्यम से पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने पर विचार साझा किए।

1.45 करोड़ की लूट मामले में टीआई सहित 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिवनी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सिवनी पुलिस पर 1.45 करोड़ की लूट के आरोप लगे हैं। मामले कार्रवाई करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है, सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि कटनी से नागपुर के लिए एक कारोबारी अपनी गाड़ी में हवाला के 1.45 करोड़ लेकर जा रहा था। तभी पुलिस को इस बात की सूचना मिली, इसके बाद गाड़ी को सीलादेही के पास रोककर 1.45 करोड़ बरामद किए गए। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई न करने का आश्वासन देकर व्यापारी को जाने देकर राशि का गबन किया। दूसरे दिन जब व्यापारी वापस पहुंचा और कोतवाली में पूरी घटना की शिकायत दी। तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। निलंबित पुलिसकर्मियों में बंडोल टीआई अर्पित भैरम, सीएसपी का रीडर रविंद्र उइके, ड्राइवर, दो गनर, सीएसपी कार्यालय में तैनात दो आरक्षक और बंडोल थाने का एक आरक्षक शामिल है। आईजी वर्मा ने बताया कि 1.45 करोड़ की बरामदगी के मामले में बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ़ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा आया

थूथुकुडी (एजेंसी)। तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं से भारी मात्रा में चढ़ावा मिला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, हाल ही में खुले हुंडियों (दानपात्र) से कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। इसमें नकद राशि के साथ 1,905 ग्राम सोना और 72,255 ग्राम चांदी शामिल है। शुक्रवार को चढ़ावे की गिनती का कार्य शुरू हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस प्रक्रिया की निगरानी ठक्कर अरुलमुरुगन और जॉइंट कमिश्नर रामू कर रहे हैं। गिनती में शिवकाशी पथिनेन सिद्धार मठ पीडम टीम की मदद ली जा रही है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। विशेष रूप से त्योहारों और कार्तिगई दीपम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के रखरखाव, सामाजिक कल्याण और भक्तों की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। सोना और चांदी को धार्मिक परंपराओं के अनुसार संरक्षित किया जाएगा। इस भारी चढ़ावे ने एक बार फिर तिरुचेंदूर मंदिर की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर किया है, जहां भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ अपनी भेंट अर्पित करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 37 दिनों में फैसला, आरोपी को 20 साल की जेल और 50 हजार जुर्माना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर में विशेष न्यायाधीश प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) सह चौथे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, खुर्दा ने ऐतिहासिक और त्वरित फैसले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 37 दिनों के भीतर दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सुभंजन मोहंती ने दुष्कर्म और गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में मामला दर्ज होने की तारीख से 37 दिनों के भीतर दोषसिद्धि का फैसला सुनाया। दोषी मुन्ना बेहरा को 20 साल के सश्रम कारावास (आरआई) और 50,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना न देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अदालत द्वारा पीड़िता को छह लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया विशेष लोक अभियोजक सुव्रत प्रियदर्शिनी ने भुवनेश्वर के अभियोजन उप निदेशक हेमंत कुमार स्वाईं की सक्रिय निगरानी में मामले की सुनवाई की थी।

आतंकी जैश संगठन अब महिलाओं का कर रहा ब्रेनवॉश, तैयार कर रहा ब्रिगेड

-पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने दे रहे धार्मिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जैश के आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक ब्रिगेड तैयार कर रहा है। 2024 के बाद से महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के मकसद से जैश ने जमात अल-मुमिनात नाम की महिलाओं की ब्रिगेड तैयार की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप का जिक्र एक सर्कुलर में किया गया है, जिसका इस्तेमाल महिला सदस्यों की भर्ती और उन्हें प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जमात अल-मुमिनात जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर और ग्राउंड लेवल पर भर्ती के लिए काम कर रहा है। यह ग्रुप जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों में ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए सक्रिय है। इसका काम धर्म के नाम पर महिलाओं का ब्रेनवाश करना है। सूत्रों के मुताबिक जैश के सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई हैं ताकि संगठन की बातों को धार्मिक रंग दिया जा सके। वहीं इसके जरिए पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने के लिए भावनात्मक बातें भी लिखी गई हैं। जैश की तरह जमात अल-मुमिनात भी सेल-आधारित स्ट्रक्चर पर काम करती है। इसके अलग-अलग ग्रुप सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को भर्ती करने, चंदा जुटाने और संदेश पहुंचाने का काम करते हैं। सर्कुलर के पाकिस्तानी कनेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

लखनऊ में बसपा के महा आयोजन में उड़ी भीड़ को देखकर विरोधियों की चिंता बढ़ना लाजमी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने लखनऊ में पार्टी संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि में शामिल होने आए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों की बातों पर बिना ध्यान दिए मिशन 2027 के लिए जुट जाए है। मायावती ने एक्स पर लिखा, बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम जी के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के वीआईपी रोड पर बसपा की सरकार द्वारा निर्मित किए गए विशाल व भव्य 'मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल' में हुए महा आयोजन में अपने खून-पसीने की कमाई से हर उम्र के आए लोगों में भी खासकर युवाओं व महिलाओं की रिकॉर्ड तोड़ भीड़ व उनके जोश और उमंग के साथ-साथ प्रदेश के अगले चुनाव में अपनी बहनजी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए जिद के साथ काम करने के दृढ़ संकल्प को देखकर विरोधी पार्टियों/ संगठनों आदि की नींद व उनके नेताओं के होश उड़ जाना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में इनकी बेतुकी बातें एवं बयानबाज़ी को महत्व न देकर इनके बारे में कुछ ना कहा जाए यही बेहतर होगा। वैसे भी बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं, इसकी स्पष्ट झलक कल उन लोगों ने यूपी सहित पूरे देश में देख ली है। अब उन्हें विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सजग व सावधान रहकर आगे अपने मिशन 2027 में पूरे तन, मन, धन से लग जाना है, यही संदेश है। साथ ही, लखनऊ में हुए महा-आयोजन में, इन्हें अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के साथ-साथ बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुनने के लिए यूपी के सभी 75 जिलों के गांव-गांव व शहर-शहर से बसपा के लाखों-लाखों की संख्या में पार्टी के लोग पहुंचे थे, जिन्हें सुरक्षित लाने व वापिस ले जाने में यूपी बसपा यूनिट के हर स्तर के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं आदि ने अपनी अहम भूमिका निभाई है इन सभी की पार्टी बहुत-बहुत आभारी है।

मायावती ने कहा कि इस महा आयोजन में किसी न किसी रूप में उनके योगदान एवं भागीदारी के लिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अनुयायियों, शुभचिन्तकों आदि का पूरे तहेदिल से बहुत-बहुत आभार, शुक्रिया व धन्यवाद।

केंद्रीय वन्यजीव कानून में संशोधन करने वाला पहला राज्य बना केरल : विजयन

तिरुअनंदपुरम (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने कहा है कि केरल केंद्रीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने संबंधी विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है। विधानसभा ने केरल में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया। सीएम विजयन ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि केरल वन्यजीव संरक्षण संशोधन विधेयक का पारित होना बढ़ते मानव-पशु संघर्षों को दूर करने और वन के पास रहने वाले समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि ये सुधार मानव जीवन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और लोगों एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने की केरल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विधेयक राजभवन भेजा जाएगा वहां से इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा क्योंकि यह केंद्रीय कानून से संबंधित है। यह विधेयक पिछले महीने विधानसभा में पेश किया गया था।

राज्य के वन मंत्री ए के शशींद्रन ने एक दिन पहले विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार को इस केंद्रीय अधिनियम में संशोधन के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बदलाव नहीं किए। उन्होंने कहा कि मानव-पशु संघर्ष एक ऐसा मुद्दा है जो राज्य की एक-तिहाई आबादी के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

ट्रंप की प्रशंसा करने पर पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता का तंज... अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करने पर तीखा कटाक्ष किया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा करते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यापार और टैरिफ को इस्तेमाल किया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। ट्रंप की प्रशंसा और सराहना के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कांग्रेस नेता ने गाजा में नरसंहार की निंदा न करने और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात न करने पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करने और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा करने में बिताया। बेशक, वह इस दौरान उस व्यक्ति से बात करना नहीं भूले जिसने गाजा में नरसंहार किया था, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी। इससे पहले 9 अक्टूबर को, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री की बिना शर्त प्रशंसा चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है। लेकिन चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बात यह है कि श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की है जिन्होंने पिछले बीस महीनों में गाजा में नरसंहार फैलाया है।

'नेपो बॉय' राहुल गांधी पर गिरिराज का बड़ा वार, कहा- यह लाल बबुआ अगंभीर नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें ÷लाल बबुआ÷ कहा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस नेता विदेश में रहते हुए वीडियो कॉल के ज़रिए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। सिंह ने राहुल गांधी को एक गंभीर नेता करार देते हुए उन पर केवल भारत को नीचा दिखाने और देश में झूठी बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा और नेपो बॉय बताया और कहा, 'एक शब्द है 'नेपो किड'। मैं उन्हें नेपो किड नहीं कहूँगा क्योंकि वह एक 'नेपो बॉय' हैं। एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा, वह एक 'लाल बबुआ' हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह विदेश में बैठकर वीडियो कॉल के ज़रिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं, तो मतदाता भी उनसे वर्चुअली मिलेंगे। वह एक अगंभीर नेता हैं जिनका एकमात्र काम भारत को नीचा दिखाना और देश में झूठी बातें फैलाना है।

गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष जाँच रिपोर्ट (एसआईआर) पर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने उन पर अपने नेतृत्व में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को सुरक्षित महसूस कराने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर हमलों को उजागर करते हुए, सिंह ने कहा, 'ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने की ज़रूरत है। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वहाँ का कानून अलग है... केवल रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान (बंगाल में) सुरक्षित हैं...क्या भारतीय नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र होना ज़रूरी होना चाहिए? मैं यह (प्रश्न) देश के नागरिकों के सामने रखता हूँ। तब ममता बनर्जी समझ जाएँगी।'

अयोध्या में घर में हुए विस्फोट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन विस्फोट एक दुखद खबर है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जब मस्जिद में विस्फोट होगा, तब वे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जिसने भी यह अपराध किया है, उसे सजा मिलेगी।'

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) क़रीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना ज़रूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का जक्रि कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए 'अपर्याप्त' वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

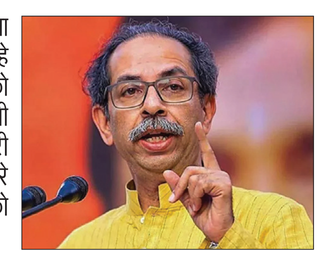

केंद्रीय मंत्री का दावा कहा- उच्च जाति के लोगों को खटकता है दलित समुदाय का सीजेआई होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई के सामने जूता उछालने की घटना पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा करते हुए कहा कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर सके कि दलित समुदाय से आने वाले न्यायमूर्ति गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सोमवार को राकेश किशोर नाम के 72 वर्षीय वकील ने कोर्ट में सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, तब हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। उस दौरान सीजेआई ने किशोर को जाने देने के लिए कहा था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी परिसर में लंबी पूछताछ के बाद वकील को छोड़ दिया था।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रमुख दलित नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मंत्री ने कहा, प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास पहली बार हुआ है। भूषण गवई दलित समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उच्च जाति समुदाय के कुछ सदस्य इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं।आठवले ने कहा, मैं मांग करता हूं कि आरोपी पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि न्यायमूर्ति गवई पर इसलिए हमले का प्रयास किया गया क्योंकि वह दलित हैं। इससे पहले किसी भी प्रधान न्यायाधीश पर हमला नहीं हुआ था।

गवई ने गुरुवार को कहा कि वह और जस्टिस के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक भुलाया जा चुका अध्याय है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किशोर की सदस्यता खत्म कर दी है। इसके अलावा वकील के सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। जूता फेंकने के मामले में आरोपी का कहना है कि वह भगवान विष्णु की मूर्ति को लेकर सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणी से आहत है।

दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को दीवाली का जश्न मनाने दें...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-राज्यों ने 2 घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की मांगी परमिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर से जुड़े राज्यों ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि इस दीवाली पर सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों को फोड़ने की अनुमति दी जाए, ताकि बच्चे त्यौहार का आनंद ले सकें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जिन्होंने राज्यों की ओर से पक्ष रखा, ने कोर्ट से अनुरोध किया कि बच्चों को कम से कम दो घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रात 8 बजे से 10 बजे तक प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत दी जा सकती है। मेहता ने कहा, दीवाली बच्चों का त्योहार है। उन्हें दो दिन तो जश्न मनाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्यों की ओर से कुछ व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनुमति केवल नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री तक सीमित रखी जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को अपने आदेश में एनईईआरआई-सर्टिफाइड ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन एनसीआर क्षेत्र में उनकी बिक्री पर रोक बरकरार रखी थी, जब तक कि कोर्ट से स्पष्ट मंजूरी न मिल जाए।

दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के 16 जिले शामिल हैं, जहां वायु प्रदूषण हर साल दीवाली के बाद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से अदालत और प्रशासन द्वारा पारंपरिक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

95 साल से किसी भी भारतीय वैज्ञानिक को नहीं मिला नोबेल पुरस्कार

-कम फंडिंग, नौकरशाही, शोध क्षमताओं के विकास में बाधाओं के कारण भारत पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को फिजिक्स, केमिस्ट्री या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिले अब 95 साल हो गए हैं। 1930 में सी वी रमन को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला था, जो आज तक भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को मिला एकमात्र सम्मान है। इसके बाद हरगोविंद खुराना (1968, मेडिसिन), सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1983, फिजिक्स) और वेंकटरमन रामकृष्णन (2009, केमिस्ट्री) ने यह पुरस्कार जीता था, लेकिन ये सभी अपने काम के समय भारत से बाहर रहते थे और भारतीय नागरिक नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वैज्ञानिक और शोध क्षमताओं के विकास में कई बाधाएं आती हैं। मूलभूत रिसर्च पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, सरकारी फंडिंग कम है और नौकरशाही के कारण काम धीमा होता है। निजी क्षेत्र में रिसर्च के लिए प्रोत्साहन और अवसर सीमित है। विश्वविद्यालयों में शोध क्षमता कमजोर है और जनसंख्या के अनुपात में शोधकर्ताओं की संख्या वैश्विक औसत से पांच गुना कम है। यही कारण है कि भारत में नोबेल पुरस्कार के लिए योग्य वैज्ञानिकों का समूह बहुत छोटा है।

भारत से कई वैज्ञानिकों को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया गया, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला। मेघनाद साहा, होमी भाभा और सत्येंद्रनाथ बोस को फिजिक्स में, जीएन रामचंद्रन और टी शेषाद्रि को केमिस्ट्री में और उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी को मेडिसिन में नामांकित किया गया। जगदीश चंद्र बोस और के एस कृष्णन जैसे वैज्ञानिक अपने अहम योगदान के बावजूद वंचित रहे। ईसीजी सुदर्शन को 1979 और 2005 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से दो बार वंचित रखा गया। सीएनआर राव के सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री में योगदान को भी नोबेल योग्य माना, लेकिन उन्हें अब तक यह सम्मान नहीं मिला है।

वैज्ञानिक पुरस्कारों में अमेरिका और यूरोप का दबदबा ज्यादा रहा है। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अलावा केवल नौ देशों के शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीते हैं। जापान ने 21 पुरस्कार जीतकर एशिया में सबसे ज्यादा जीते हैं। अमेरिका और यूरोप में मजबूत रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहयोग और बेहतर इको-सिस्टम के कारण वहां के वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार जीतने में सफलता मिलती है।

भारत के वैज्ञानिकों को सम्मान नहीं मिलने का कारण केवल पुरस्कार प्रणाली नहीं है। अनुसंधान के लिए फंडिंग, बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन की कमी ने वैज्ञानिकों के काम को पूरी तरह विकसित होने से रोका है। भविष्य में भारत के वैज्ञानिकों की नोबेल जीत मुख्य रूप से उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और जुगाड़ पर निर्भर रहेगी, न कि सिस्टम के समर्थन पर।

कारोबारी के घर से गहने और नकदी चोरी, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाबी बाग इलाके में कैसीनो और ऑनलाइन गेमिंग की लत को पूरा करने के लिए चोरों ने शेयर मार्केट कारोबारी के घर से लाखों के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार वाले घर में सो रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान 1260 सीसीटीवी कैमरों की जांच कर चोरों की पहचान की और तीन बदमाशों के साथ-साथ गहने के खरीदार जौहरी को भी गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने 20 लाख के 156 ग्राम सोने के गहने और 9.96 लाख रुपये बरामद किए हैं। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि 26 सितंबर को पंजाबी बाग निवासी शेयर मार्केट कारोबारी अरविंद जैन ने घर में चोरी की शिकायत की। तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने जहांगीरपुरी थाने के घोषित बदमाश और मुख्य आरोपी भलस्वा डेयरी निवासी जय प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर उसके दो साथियों सीतामढ़ी बिहार निवासी बिगन साह और जयराम साह को गिरफ्तार कर लिया। बिगन की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के गहने खरीदने वाले जौहरी करोलबाग निवासी गणेश को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि जय प्रकाश और बिगन को कैसीनो और ऑनलाइन गेमिंग की लत है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जय प्रकाश पर पहले से लूटपाट और घरों में चोरी के 15 मामले दर्ज हैं। वहीं जयराम शाह पर सात मामले दर्ज हैं। बिगन शाह मोती विक्रेता है जबकि जयराम शाह जनरल स्टोर में काम करता है।

बिना पंजीकरण रोजगार मेले में भाग ले सकेंगे छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कैंपस प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित रोजगार मेला छात्रों के लिए वॉक इन रहेगा। इसमें पंजीकरण न कर पाने वाले छात्र भी रोजगार मेले का हिस्सा बन सकेंगे। मेले के लिए 7200 से ज्यादा छात्रों ने पंजीकरण किया है। इस मेले में 52 कंपनियां शामिल होंगी। बुधवार को सुबह 10 बजे से डीयू स्पोर्ट्स स्टेडियम के मल्टीपरपज हॉल में रोजगार मेले के तहत प्लेसमेंट और इंटर्नशिप ड्राइव का आयोजन होगा। डीयू सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की इंचार्ज और डीन स्टडेंट्स वेलफेयर में ज्वाइंट डीन प्रोफेसर हेना सिंह ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया रविवार को समाप्त हो गई थी मगर, छात्रों की ओर से अनुरोध मिलने पर पंजीकरण की प्रक्रिया को जारी रखने का फैसला लिया गया।

देश भर के हजारों लोगों को डिजीटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। मध्य जिला पुलिस ने देशभर में हजारों लोगों को डिजीटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले एक गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लोकेश गुप्ता, मनोज कुमार चौधरी, मोहित जैन उर्फ रिंकू, केशव कुमार और सैफ अली के रूप में हुई है।आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर उनके नाम से करंट बैंक अकाउंट खोलते थे। इन बैंक खातों में ठगी की रकम को ठिकाने लगाया जाता था। बदले में इनको मोटा कमिशन मिलता था। शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों में 473 इनके गिरोह से लिंक हुई है। इनमें 24 शिकायतें दिल्ली की शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 14 मोबाइल फोन, 40 चेकबुक, 33 सिमकार्ड, 15 कंपनी की स्टैंप, 19 डेबिट कार्ड, 14 पैन कार्ड, एक एमजी हैक्टर कार व अन्य सामान बरामद किया है। इनका गिरोह नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का अधिकारी बनकर भोले-भाले लोगों को डराकर डिजीटल अरेस्ट कर लेता था। बाद में मोटी रकम वसूल कर ली जाती थी। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि एक महिला ने ठगी की शिकायत साइबर थाना पुलिस को दी थी। पीड़िता ने बताया कि कुछ लोगों ने उसे डिजीटल अरेस्ट 20 लाख से अधिक की ठगी कर ली है। पीड़िता ने बताया कि उसके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का पुलिस उपायुक्त बताया। आरोपी ने बताया कि उनके आधार कार्ड को नशे का धंधा करने वालों ने इस्तेमाल किया है। इस वजह से उनको कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसके बाद आरोपियों ने पीड़िता को स्काइप-आईडी के जरिए एक वीडियो कॉल करवाई।

उसमें आरोपियों ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फर्जी आईडी भी दिखाई ।बाद में जांच के नाम पर पीड़ित के बैंक खाते की पूरी डिटेल, ओटीपी तक ले लिया गया। महिला के खाते में करीब 89 हजार रुपये मौजूद थे। उसको भी ट्रांसफर कर लिया गया। पीड़िता के पास जब देने के लिए पैसे नहीं थे तो आरोपियों ने उसके बैंक खाते से ऑन लाइन 20 लाख रुपये का पर्सनल लोन लेकर अपने खातों में ट्रांसफर कर दिया। साइबर थाने में मामला दर्ज करने के बाद इंस्पेक्टर संदीप पंवार व अन्यों की टीम ने पड़ताल शुरू की। टेक्निकसल सर्विलांस की मदद से पुलिस ने दिल्ली, हापुड़ और ग्रेटर नोएडा में छापेमारी की। सबसे पहले टीम ने 23 सितंबर को मुकुंदपुर दिल्ली से लोकेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। इसने अजय कुमार के साथ मिलकर मंगल पांडेय नगर, मेरठ में दो फर्जी कंपनी बनाई हुई थीं। दोनों खुद को कंपनी का निदेशक बताते थे। पूछताछ के दौरान लोकेश ने बताया कि उसने कंपनी के बैंक खातों का नियंत्रण दीपक गोयल व मनोज चौधरी को दे दिया था। पुलिस ने लोकेश की निशानदेही पर मनोज चौधरी को 25 सितंबर को हापुड़ से गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने मनोज से पूछताछ के बाद मोहित जैन व केशव कुमार को गौर सिटी मॉल, ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया। इसके बाद पांचवें आरोपी सैफ अली को मोहित की निशानदेही पर शाहदरा, दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। छानबीन के दौरान गिरोह के सरगना मोहित जैन ने बताया कि वह पूरे भारत में चल रही डिजीटल अरेस्ट धोखाधड़ी के गिरोह से जुड़ा है। इनका काम अपने गिरोह के लोगों को फर्जी कंपनी व बैंक खाते उपलब्ध करवाना है। बदले में इनको 2 से 3 फीसदी कमिशन मिलता है। ठगी की रकम चूंकि कई-कई करोड़ होती है, इसलिए इनका कमिशन कई बार करोड़ों में चला जाता है। मोहित बाकी खाता धारकों व गैंग के लोगों को इस 2 से 3 फीसदी कमिशन में से रकम देता है। ठगी की बाकी रकम विदेश में बैठे गिरोह के लोग ले जाते हैं। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि इन लोगों ने हजारों लोगों के साथ ठगी की है। छानबीन के दौरान 473 शिकायतें इस गिरोह से लिंक हो गई हैं। इनमें कई मामलों में एक-एक पीड़ितों से एक करोड़ से 50 लाख से ज्यादा की ठगी हुई है। आरोपी मोहित व केशव कुमार की पुलिस को मई दिल्ली में ठगी के मामले में तलाश थी। मोहित के खिलाफ पहले भी ठगी के कई मामले दर्ज है। पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके बाकी साथियों की तलाश कर रही है।

डॉक्टर का कत्ल...भाजपा नेता के घर चोरी के मामले में वांछित, नेपाल से कनेक्शन; अब ढेर

गुरुग्राम/दिल्ली। गुरुग्राम की सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि भीम महाबहादुर जोरा साउथ दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। क्राइम ब्रांच प्रभारी नरेंद्र अपनी टीम के साथ दिल्ली पुलिस की टीम को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे तो वहां पर भीम जोरा अपने एक अन्य साथी के साथ सीमेन्ट के बेंच पर बैठा था। पुलिस पार्टी को देखकर अपने पक? जाने के डर से भीम जोरा ने जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक बदमाश भीम जोरा को मुठभेड़ में मार गिराया। नेपाल निवासी भीम जोरा कई मामलों में वांछित था, जिसमें हाल ही में गुरुग्राम में एक भाजपा नेता के घर हुई चोरी की घटना भी शामिल है। इस मामले में उस पर 50,000 रुपये का इनाम था। जंगपुरा में डॉ. योगेश चंद्र पाल की गलाघोटकर हत्या के मामले में फरार आरोपी भीम बहादुर जोरा को दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान देर कर दिया। दिल्ली पुलिस की दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस को संयुक्त टीम की ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में देर रात आरोपी के साथ मुठभेड़ हुई। बता दें कि भीम बहादुर जोरा पर गुजरात, कनार्टक और दिल्ली में कई आपराधिक मामले दर्ज थे। आरोपी ने हाल ही में गुरुग्राम के भाजपा नेता के घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी मूलरूप से नेपाल का रहने वाला था। भीम जोरा के द्वारा फायर की गई एक गोली इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। बुलेट प्रूफ जैकिट पहने होने के कारण इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा बच गए। उन्होंने आरोपियों को सरेंडर करने की चेतावनी देते हुए एक हवाई फायर किया, लेकिन भीम जोरा क्राइम ब्रांच की तरफ लगातार फायर करता रहा। पुलिस पार्टी की जवाबी फायरिंग में आरोपी भीम जोरा को गोली लग गई और वो घायल हो गया। जिसे तुरंत घायल अवस्था में एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने भीम जोरा को मृत घोषित कर दिया। इस मुठभे? में भीम जोरा का साथी मौके से फरार हो गया। इंस्पेक्टर नरेंद्र ने बताया कि मृत आरोपी का नाम भीम जोरा पुत्र महाबहादुर जोरा था, जो मूल रूप से नेपाल का रहने वाला था। वह भारत में डकैती और हत्या के साथ-साथ चोरी की बहुत सी वारदातों को अंजाम दे चुका था। दो अक्तूबर को आरोपी बदमाश ने गुरुग्राम के सेक्टर-49 की पॉश सोसायटी ओर्किड पेटल के विला नंबर 3 में महरौली भाजपा जिला उपाध्यक्ष ममता भारद्वाज के घर में अपने एक साथी युवराज थापा के साथ मिलकर 20 लाख की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने चोरी के सामान को आधा-आधा बांट लिया था। इसमें अपराध शाखा सेक्टर 43 की पुलिस ने युवराज थापा को गिरफ्तार कर लिया था। भीम जोरा दिल्ली में एक चोरी की वारदात के दौरान डॉक्टर की हत्या करने में वांछित था

कार से स्कूटी टच होने पर दिव्यांग ने ले ली जान, छाती पर बैठकर मारे कई मुक्के

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम इलाके में स्कूटी टच होने पर गुस्साए दिव्यांग आई10 कार चालक ने स्कूटी सवार की पीट पीटकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त साध नगर निवासी 30 साल के कपिल शर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने चश्मदीद के लिए गए कार के फोटो के जरिए आरोपी की पहचान साध नगर निवासी करण अरोड़ा के रूप में की और घटना के दो घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिव्यांग है और वह बोल और सुन नहीं सकता है। पुलिस आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 4 अक्तूबर की रात 9.30 बजे पालम गांव थाना पुलिस को सूचना मिली कि साध नगर में एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में जमीन पर पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बेहोश व्यक्ति को लोग इंदिरा गांधी अस्पताल लेकर गए हैं, जबकि उसकी स्कूटी वहीं खड़ी थी। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया है। उसकी पहचान कपिल शर्मा के रूप में हुई। घटनास्थल पर जांच के दौरान चश्मदीद ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार को एक कार चालक ने पिटाई की और वह कार समेत मौके से भाग गया। चश्मदीद ने पुलिस को कार का फोटो दिया, जिसे वह भागने के दौरान अपने मोबाइल से लिया था। थाना प्रभारी सुधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार नंबर के जरिए उसके मालिक की पहचान की। मालिक ने बताया कि घटना के समय कार को उसका साला करण अरोड़ा चला रहा था। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को नजफगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बोलने और सुनने में सक्षम नहीं था। पुलिस ने उससे सांकेतिक भाषा दुभाषिए की मदद से पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि गाड़ी टच होने के बाद मृतक से उसका विवाद हो गया। इस दौरान मृतक ने उसे अपमानजनक इशारे करने लगा। जिससे उसने गुस्से में आकर उसकी छाती पर बेरहमी से कई मुक्के मारे, जिससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि 24 साल का आरोपी करण साध नगर में रहता है और गुरुग्राम, हरियाणा के एक क्लब में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। वह जन्म से ही 65 फीसदी दिव्यांग है।

गैंगस्टर हिमांशु के खिलाफ लगा ट्रायल इन एब्सेंटिया, गिरोह के सभी बदमाशों के खिलाफ मकोका लगाया

नई दिल्ली। लारेंस बिश्नोई को टक्कर देने वाले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के खिलाफ भारत में उसकी अनुपस्थिति में भी केस चलेगा। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हिमांशु व उसके गैंग के फरार बदमाशों के खिलाफ ट्रायल इन एब्सेंटिया कानून लगा दिया है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने हिमांशु गैंग के सभी बदमाशों के खिलाफ मकोका लगाकर चार्जशीट दाखिल कर दी है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार इस कानून में प्रावधान है कि अगर गैंगस्टर व बदमाश विदेश में बैठा है और कानून के सामने पेश नहीं हो रहा है तो ऐसी परिस्थिति में उसके खिलाफ ट्रायल इन एब्सेंटिया कानून लगाया जाएगा। इसके तहत बदमाश के खिलाफ केस चलाया जा सकेगा और उसे दोषी ठहराया जा सकेगा। उसके बाद उसे भारत में लाना आसान से हो सकेगा। अपराध शाखा के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कुख्यात अपराधी हिमांशु उर्फ भाऊ गिरोह के 10 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश कर दिया है। वहीं गैंग का सरगना हिमांशु भाऊ और उसका करीबी साथी साहिल अभी विदेश में है। अदालत ने दोनों को भगोड़ा घोषित कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने इनकी अनुपस्थिति में ही मुकदमे की सुनवाई (ट्रायल इन एब्सेंटिया) के लिए आवेदन किया है। जांच में सामने आया कि हिमांशु भाऊ ने 2020 से ही संगठित अपराध का ऐसा जाल बिछाया है जो दिल्ली-एनसीआर में कारोबारियों, प्रॉपर्टी डीलरों और प्रभावशाली लोगों को डरा-धमका कर रंगदारी वसूलता रहा। कभी तिलक नगर के कार शोरूम पर गोलियां बरसाईं तो कभी राजौरी गार्डन के बर्गर किंग में विरोधी गैंग के सदस्य की हत्या कर दी। नारायणा के कार स्ट्रीट शोरूम पर भी इसी गिरोह ने फायरिंग कर कारोबारी वर्ग में दहशत पैदा की। पुलिस के मुताबिक, इन वारदातों का मकसद डर फैलाना था ताकि पीड़ित बिना पुलिस तक पहुंचे सीधे गिरोह को रकम दे दें। गिरोह ने पिछले साल 6 मई को तिलक नगर के फ्यूजन् कार शोरूम पर अंधाधुंध फायरिंग की। पुलिस के अनुसार तीन हथियारबंद बदमाश वहां घुसे और अंदर-बाहर गोलियां चलाकर भाग निकले। वारदात के अगले ही दिन शोरूम मालिक मनोज मलिक को एक अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को हिमांशु भाऊ बताते हुए पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी और धमकी भी दी। कि अगर पैसे नहीं दिए तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। बाद में केस की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई।

NAME CHANGE
I , Rabiya W/O Aabid Ali R/o G-691 Near Neem Chowk, Aaina Masjid, Sangam Vihar Devli Village , Delhi-110062, have changed my name and shall hereafter be known as Rabiya Ali.

नाम परिवर्तन
मैं, अमजद खान पुत्र अख्तर हुसैन निवासी गाँव बिसरू तहसील पुन्हाना जिला नूह, ने भविष्य के सभी प्रयोजनों के लिए अपना नाम अमजद पुत्र अख्तर से बदलकर अमजद खान पुत्र अख्तर हुसैन कर लिया है।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमान सुशील कुमार पुत्र श्री स्वर्गीय जयनारायण व श्रीमति दर्शना पत्नी श्री सुशील कुमार, पता म0न0 439 शिव गली, 2nd फ्लोर, पंजाबी बाजार, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली 03, ने अपने पुत्र मोहित गुप्ता व उसकी पत्नी शिल्पी @ वैशाली को उनके गलत बर्ताव, चाल-चलन, अनियन्त्रण व झगड़ालू व्यवहार के कारण अपनी सभी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उनसे सभी पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। कोई भी उनसे व्यवहार, लेन-देन करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किल की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।
अरूण कुमार (अधिवक्ता)
CH No.T-7 TIS HAZARI COURT, DELHI-110054

NAME CHANGE
It is for general information that I, OM KRISHAN S/o RAM SINGH, R/o H NO-61, VILL-SOHATI, (14-R), SONIPAT, HARYANA-131402 declare that name of mine has been wrongly written as OM KRISHAN RANA in my PAN CARD NO-ABLPR2871A and my name wrongly written as OMPRAKASH in my Property Documents. The actual name of mine is OM KRISHAN, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, RAJEESH K S/o K KRISHNAN Presently residing at MADATHIL HOUSE, VALLIYAYE, PO-PATHAYAKUNNU, THALASSERY, KERALA-670691, have changed my name from RAJEESH K to K RAJEESH for all future purposes vide Affidavit dated 02/05/2025 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE
I, G KOMURAIAH Father of No-15796624A Rank-NK Name-GUNDABOINA RAMESH Presently residing at VPO-KORAPALLI, TEH-JAMMIKUNTA, DIST-KARIMNANGAR, TELANGANA-505129, have changed my name from G KOMURAIAH to GUNDAVENA KOMURAIAH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/06/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide Affidavit dated 10/10/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, G MALLAMMA Mother of No-15796624A Rank-NK Name-GUNDABOINA RAMESH Presently residing at VPO-KORAPALLI, TEH-JAMMIKUNTA, DIST-KARIMNANGAR, TELANGANA-505129, have changed my name from G MALLAMMA to GUNDAVENA MALLAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/07/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 10/10/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, FARHANA KHANAM, W/O SH. SANJAY KHAN, R/o 25-A. Zamrudpur, G.K-1, Greater Kailash, New Delhi-110048 have changed my name from FARHANA to FARHANA KHANAM for all future purposes. That FARHANA and FARHANA KHANAM both are the name of the one and the same person.

NAME CHANGE
I, HANSRAJ S/O GAJRAJ SINGH , residing at CHANDPUR (190), PO-CHANDPUR, FARIDABAD HARYANA-121101. have changed my name to HANSRAJ BHATI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GUNJAN D/O HANSRAJ , residing at CHANDPUR (190), PO-CHANDPUR, FARIDABAD HARYANA-121101. have changed my name to GUNJAN BHATI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHIVAJI is legally father of No. 2803471M Rank- HAV Name-BADAKE SANTOSH SHIVAJI, presently resident A/P -HOLE, TEL-PANDHARPUR, DIS-SOLAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN-413315 have changed my name and date of birth 26/08/1957 to 01/01/1951 from SHIVAJI to SHIVAJI YASHWANT BADAKE for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VIMAL is legally mother of No. 2803471M Rank- HAV Name-BADAKE SANTOSH SHIVAJI, presently resident A/P -HOLE, TEL-PANDHARPUR, DIS-SOLAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN-413315 have changed my name and date of birth 26/08/1964 to 01/01/1970 from VIMAL to VIMAL SHIVAJI BADAKE for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that my client Murari Lal Gupta S/o Shri Pyare Lal Gupta and Smt. Geeta Devi both R/o K-464, Gali No.19/3, Sangam Vihar, New Delhi-110080, has disowned/debarred their son Rohit Gupta And his Wife Neetu Gupta from all his/her moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If Anybody dealing with him at his/her own risk and consequences and neither our clients nor any of their family members shall be responsible for any of his/her acts, deeds and things in any manner.
Mukesh Kumar Advocate
Ch. No. 888 Saket Court
New Delhi-110017

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुरजीत उर्फ सुमित पुत्र रामजी निवासी अमृत कुटीराम, डीपीएस पब्लिक स्कूल के पास, सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद, यूपी** और **जयराम उर्फ जुगेंद्र सिंह पुत्र अशोक सिंह निवासी गली नंबर 1, हनुमान मंदिर वाली गली, राजीव विहार, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 68/2025 U/S 305(a)/331/(4)/317(2) BNS, अन्तर्गत थाना तुगलक रोड, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि **उपर्युक्त दोनों अभियुक्त** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **उपर्युक्त दोनों अभियुक्त** फरार हो गए है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहे हैं)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 68/2025 U/S 305(a)/331/(4)/317(2) BNS, अन्तर्गत थाना तुगलक रोड, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुरजीत उर्फ सुमित** और **जयराम उर्फ जुगेंद्र सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो। आदेशानुसार,

सुश्री ईशा सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
18, प्रथम तल, मुख्य भवन
DP/13758/NDD/2025(Court Matter) पटियाला हाउस न्यायालय, नई दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहनवाज उर्फ शानू पुत्र यामीन पताः गांव पसौंडा थाना साहिबाबाद गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 199/2015 धारा 392/34 भा.द.स. के तहत** थानाः मण्डावली, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शाहनवाज उर्फ शानू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शाहनवाज उर्फ शानू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 199/2015 धारा 392/34 भा.द.स. के तहत थानाः मण्डावली, दिल्ली के उक्त शाहनवाज उर्फ शानू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार**

सचिन
न्यायिक दण्डाधिकार प्रथम श्रेणी-03
पुर्वी जिला, कोर्ट नं.16
DP/13584/ED/2025 कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

एमबीबीएस की छात्रा से होटल में नशीला पदार्थ पिलाकर किया दुष्कर्म, अश्लील फोटो और वीडियो बनाया

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में एमबीबीएस की छात्रा से होटल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। हरियाणा के हिसार की छात्रा ने अपने परिचित पर आरोप लगाया है कि उसने नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया फिर अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। छात्रा का आरोप है कि इन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसका लगातार शारीरिक शोषण किया। पुलिस के मामला दर्ज करने की सूचना पर आरोपी भाग गया। छात्रा हरियाणा के हिसार की रहने वाली है और दिल्ली के एक कॉलेज से एमबीबीएस कर रही है। आरोपी भी हिसार का रहने वाला है और मुखर्जी नगर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। आदर्श नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसके साथ स्कूल में पढ़ता था और हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिये उसके संपर्क में आया। दोनों में फोन पर बातचीत होने लगी तो लड़के ने 9 सितंबर को उसे आदर्श नगर स्थित एक होटल में बुलाया। यहां उसके दो दोस्त भी मिले। आरोपियों ने उसे नशीला पेय पदार्थ दिया, जिसके पीने पर वह बेहोश हो गई।

NAME CHANGE
I, UMAKANT legally father of No. 2807866L, Rank-HAV, Name-RAVNKOLE VIRBHADR UMAKANT R/o VILL-KOLNUR, POST-MAHALIPRGA, TEH-JALKOT DIST-LATUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN-413532, have changed my name from UMAKANT to UMAKANT SIDRAM RAVNKOLE and date of birth from 25/09/1950 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHIVMALA is real mother of No. 2807866L,Rank HAV Name RAVNKOLE VIRBHADR UMAKANT presently residing at VILL-KOLNUR,POST-MAHALIPRGA, TEH-JALKOT,DIST- LATUR,STATE-MAHARASHTRA, PIN-413532 have changed my name from SHIVMALA to SHIVMALA UMAKANT RAVNKOLE and date of birth from 25/09/1955 to 01/01/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Mamshad Ahmed Ansari S/o Nasibdar Ansari, R/o C-37, Gali No.3, Inder Enclave, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name from Mamsad Ahmad Ansari to Mamshad Ahmed Ansari for all future purposes.That both the name i.e. Mamshad Ahmed Ansari and. Mamsad Ahmad Ansari are the name of one and same person.

NAME CHANGE
I, NAGMA KHATOON wife of REHAN, resident of H NO-9/4929, GALI NO-22, SHANTI MOHALLA, GANDHI NAGAR, DELHI-110031, have changed my name to NAGMA KHATUN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHD SHAKIL S/O MOHD SHAHBUDDIN, residing at H NO-1080, GALI NO-36, JAFRABAD DELHI-110053.have changed my name to SHAKIL AHMED for all future purpose

NAME CHANGE
I, MOHD SHAHID S/o Abdul Hafiz R/o H.No.171, Gali No.2, Old Mustafabad, Delhi-110094 have changed my name to MOHMMAD SHAHID permanently.

NAME CHANGE
I, SHEHNAJ W/o Mohmmad Shahid R/o H.No.171, Gali No.2, Old Mustafabad, Delhi-110094 have changed my name to SHEHNAZ permanently.

NAME CHANGE
I, FIZA W/O Rahim Buksh R/o E-676,Main Road, Jagjeet Nagar, Shahdara, Delhi-110053 have changed my name to FIZA BEGUM Permanently

NAME CHANGE
I, MOHSINA FATIMA W/O SHAMIM HASHMI R/O H NO-C-6/292, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHSINA HASHMI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NAIM KHAN S/O PYARAY KHAN R/O H NO-324, STREET NO-5, NEW KARDAMPURI, SHAHDARA, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME NAIEM KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
I MOHD ASIF S/O MOHD SALIM R/O E56/7A NEAR SWAMI DYANAND HOSPITAL VILLAGE KHERA G. T ROAD SHAHDARA EAST DELHI 10095 MY MINOR DAUGHTER NAME IS BUSHRA THAT MY DAUGHTER DATE OF BIRTH EARLIER WAS 01/04/2010 THAT I HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER DOB AS 20/01/2010 FOR ALL FUTURE PURPOSE

बेदखली नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती शकुंतला पत्नी श्री नानक चंद पता म.न. 16/1609, ब्लाक-ई, गली न. 20, हनुमान मंदिर, बापा नगर, आर्य समाज रोड, करोल बाग, मध्य दिल्ली-110005 ने अपने बेटे कमल किशोर और उसकी पत्नी भारती को उसके बुरे आचरण व अभद्र व्यवहार के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है व भविष्य मे मेरे मुवक्किल का इससे किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहेगा, यदि इसके साथ कोई कृत्य करता है तो इसकी जिम्मेदारी उनकी होगी मेरे मुवक्किल का इसमे किसी प्रकार का कोई लेना-देना व संबंध नही होगा।
RAM NIWAS SINGH TOMAR,
ADVOCATE
CH. NO. V-31A, TEHSIL BUILDING ROAD, TISHAZARI COURT, DELHI-110054,

NAME CHANGE
I Richard S/O Prem Singh R/O. Plot-148, block-R6, upper ground floor, Uttam Nagar Delhi - 110059 changed my name to Richard singh.

NAME CHANGE
I, Mohammad Abbas Ansari s/o Abul Hamid Ansari R/o V-169, Block-V, Sector-C, Bhagwati Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Mohmmad Abbas Ansari for all future purposes

NAME CHANGE
I, Swaliha Bano w/o Mohmmad Abbas Ansari R/o V-169, Block-V, Sector-C, Bhagwati Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Fazia Begum for all future purposes

NAME CHANGE
I, NAIMA BANO W/o Naseemuddin R/o H. No.547 B, Gali No.24, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to NAEEMA BANO permanently.

NAME CHANGE
I, NASIMUDDIN S/o Saleemuddin R/o H. No.547 B, Gali No.24, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to NASEEMUDDIN permanently

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SALIM S/O MOHD SHAMIM, residing at H NO-C-750 GALI NO 17 CHOUHAN BANGAR SEELAMPUR DELHI-110053. have changed my name to MOHD SALIM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD ARIF SAIFI S/O AHMAD SAEED, residing at H NO-F-51 NEW SEELAMPUR DELHI 110053. have changed my name to MOHAMMAD ARIF for all future purpose.

पटना जं.-आनंद विहार (ट.) रेलवे स्टेशनों के बीच नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन सेवा का शुभारम्भ

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 03255/03256 पटना जं.-आनंद विहार (ट.)-पटना जं. एक्सप्रेस स्पेशल सेवा को नियमित सेवा के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अब ये रेल सेवा नये नम्बर अर्थात् 13251/13252 पटना जं.-आनंद विहार (ट.)-पटना जं. द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में संचालित की जाएगी, जिसकी विस्तृत समय-सारणी और नियमितीकरण की तिथियाँ निम्नानुसार हैं :-

रेलगाड़ी सं. 13251/13252 पटना जं.-आनंद विहार (ट.)-पटना जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

रेलगाड़ी सं. 13251		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 13252	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22.20	पटना जं.	18.35	----
22:43	22:45	दानापुर	17:28	17:30
23.15	23:17	आरा जं.	16:40	16:42
00.15	00:17	बक्सर	15:56	15:58
02.10	02:20	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	14:40	14:50
04.40	04:45	प्रयागराज जं.	09:30	09:35
07.30	07:40	गोविन्दपुरी	06:00	06:10
18.35	----	आनंद विहार (ट.)	----	23:30

नोटः- रेलगाड़ी सं. 03255 स्पेशल की सेवा पटना जं. से दिनांक 07.12.2025 से और रेलगाड़ी सं. 03256 स्पेशल की सेवा आनंद विहार (ट.) से दिनांक 08.12.2025 से वापस ले ली जाएगी।

नये नम्बर के साथ नियमितीकरण की तिथियाँ :- **13251 पटना जं.** से प्रत्येक **रविवार एवं वीरवार** दिनांक **07.12.2025** से अगले आदेश तक एवं **13252 आनंद विहार (ट.)** से प्रत्येक **सोमवार एवं शुक्रवार** दिनांक **08.12.2025** से अगले आदेश तक।

स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
4003/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा की जेलों में कैदियों की तरह काम करेंगे गैंगस्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा जेल विभाग के महानिदेशक आलोक कुमार राय ने कहा है कि अब कोई गैंगस्टर जेल में हीरो नहीं बनेगा। जेल में बंद हर अपराधी को आम कैदियों की तरह रहना होगा। राय ने कहा कि अपराधियों और गैंगस्टरों को लेकर जो झूठी 'ग्लैमर इमेज' सोशल मीडिया पर बनाई जाती है, उसे अब खत्म किया जाएगा। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में राॅय ने कहा कि 'हम जेलों की हकीकत जनता को दिखाएंगे, ताकि युवाओं को अपराध की सजा का असली चेहरा नजर आए।' डीजीपी राय ने चिंता जताई कि गैंगस्टरों की गिरफ्तारी के बाद भी उनके महिमामंडन का ट्रेंड समाज में बढ़ा है। जल्द ही जेल विभाग गैंगस्टरों की

वास्तविक स्थिति और सजा के दौरान मिलने वाली कठिनाइयों को जनता के सामने रखेगा, ताकि युवा अपराध से दूर रहें। राय ने कहा कि हरियाणा की जेलें अब सुधार की प्रयोगशाला बनेंगी। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी बड़ा अपराधी क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं। उन्होंने बताया कि अब से हर जेल में गैंगस्टर और अन्य अपराधियों को अनुशासन, श्रम और समान व्यवहार के जरिए सुधारा जाएगा। डीजीपी राय ने साफ किया कि हरियाणा की किसी भी जेल में अब किसी गैंगस्टर या कुख्यात अपराधी को कोई विशेष सुविधा नहीं मिलेगी। हर अपराधी को जेल वर्दी और तय जूते-चप्पल ही पहनने होंगे। ब्रांडेड कपड़े, महंगे जूते और दिखावे की वस्तुएं अब सख्त मना हैं। राय ने कहा कि जेल में रहना सजा है, स्टाइल नहीं। उन्होंने बताया कि सभी गैंगस्टरों के बाल कटे रहेंगे, शेव साफ होगी और व्यक्तिगत हाइजीन मेंटेन करनी होगी। कारागार महानिदेशक ने बताया कि हरियाणा प्रिजन रूल्स 2022 के तहत अब गैंगस्टरों से भी जेल की सफाई, सैनिटेशन और रखरखाव का कार्य करवाया जाएगा। यह कदम इसलिए ताकि हर अपराधी को एहसास हो कि कानून के सामने सब समान हैं। उन्होंने कहा कि जेल में रहकर कोई अपराधी किसी पर प्रभाव या दबदबा नहीं बनाएगा। सभी जेल अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि गैंगस्टरों को किसी भी तरह की अनुचित सुविधा न मिले।

मिष्ठान विक्रेता गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थों की करें बिक्री : खाद्य सुरक्षा अधिकारी

एजेंसी

पलवल। आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग पंचकूला के आदेश अनुसार फेस्टिवल सीजन में मिल्क प्रोडक्ट ड्राइव चल रहा है, जिसके अंतर्गत खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी जांच की जा रही है। मिल्क प्रोडक्ट ड्राइव के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी पलवल डा. राजेश वर्मा ने अपनी टीम के साथ हसनपुर चौक होडल पर उत्तर प्रदेश से आ रहे पनीर की इको मालिक प्रवीण कुमार से एक पनीर का नमूना लिया। उन्होंने जिला के सभी मिष्ठान व पनीर व खोआ विक्रेताओं से आह्वान किया है कि वे गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थों की ही बिक्री करें। इसी क्रम में उन्होंने श्री बीकानेर मिष्ठान भंडार के गोदाम से मिल्क केक और खोए का नमूना लिया। इसके उपरांत उनकी टीम ने हसनपुर चौक होडल पर स्थित सैनी स्वीट्स से और पुन्हाना मोड़ से खाद्य पदार्थ के नमूने लिए।डा. राजेश वर्मा ने बताया कि इन सभी नमूनों को जांच के लिए चंडीगढ़ भेज दिया गया है और जांच रिपोर्ट आने के पश्चात आगे की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के सीजन के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट को चेक करने के उद्देश्य से यह मिल्क प्रोडक्ट चैकिंग ड्राइव चलाकर नमूने लेने का कार्य किया गया है। इस दौरान मिठाई की खपत अधिक होती है और मिलावट का खतरा बढ़ जाता है। खाद्य पदार्थों में की गई मिलावट मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। खाद्य पदार्थ में मिलावट पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अधिकारी आकांक्षी ब्लॉक को आगे लाकर जिला में विकास करें सुनिश्चितः उपायुक्त

पलवल। पलवल जिला के समग्र विकास को लेकर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने उपमंडल हथीन में जिला से संबंधित समग्र विकास योजनाओं से संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को जिला से संबंधित आकांक्षी ब्लॉक को आगे लाने और जिला का समग्र विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो विभागीय अधिकारी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं को जिला में प्रभावी रूप से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे उन्हें जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बैठक में अधिकारियों के साथ केंद्र और राज्य सरकार की ओर से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं बारे विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों को जागरूक करते हुए योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला को लिंगानुपात में आगे लेकर आएं। उन्होंने कहा कि इस बारे लोगों को जागरूक करें कि सरकार की ओर से कन्या भ्रूण हत्या करवाने से संबंधित सूचना देने वाले व्यक्ति को एक लाख रुपए का इनाम दिया जाता है।

आईएमटी परियोजना के लिए डीसी से मिले कई गांवों के किसान

जींद। आईएमटी परियोजना को लेकर लगभग 12 गांवों के किसान डीसी मोहम्मद इमरान रजा से उनके कार्यालय में मिले। किसानों ने डीसी के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। डीसी ने कहा कि किसानों को किसी के भी बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। किसानों की सहमति से ही उनकी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। किसानों की जो भी मांगे हैं, उन्हें सरकार तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।ई-भूमि पोर्टल पर इच्छुक किसान नए सिरे से जमीन का पंजीकरण करवा सकते हैं और पंजीकरण के साथ-साथ जमीन की कीमत का भी ब्योरा अपलोड कर सकते हैं। किसानों की हर संशओं को दूर किया जाएगा। सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कृतसंकल्प है। जिस भी गांवों में भूमि पंजीकरण की प्रक्रिया होगी तो संबंधित किसानों की सहमति से ही होगी। शासन व प्रशासन किसानों के साथ है। उन्होंने पुनः किसानों से आह्वान किया कि किसी भी भ्रांति में नहीं आएं। अगर आपको कोई समस्या है, तो तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लाएं। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) के अधिकारियों को इस विषय पर आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

पानीपत में नर्सिंग छात्राओं ने निकाली नशा मुक्ति पर जागरूकता रैली

पानीपत। पानीपत के सिविल अस्पताल से नर्सिंग की छात्राओं ने तंबाकू और नशे के खिलाफ जनजागरूकता रैली निकाली। इस रैली का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाना था। रैली का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय मलिक ने किया। नर्सिंग की छात्राओं द्वारा रैली सिविल अस्पताल परिसर भवन में चारों तरफ निकाली गई। छात्राओं ने तख्तियां और बैनर लेकर तंबाकू छोड़ो, जीवन संवारो, नशा छोड़ो, खुशियां अपनाओ और स्वस्थ भारत, नशामुक्त भारत जैसे नारों से लोगों को प्रेरित किया। साथ ही इस रैली में अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ ने भी भाग लिया। रैली के दौरान छात्राओं ने अस्पताल में आए लोगों को तंबाकू उत्पादों के हानिकारक दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तंबाकू के सेवन से कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी कई गंभीर बीमारियां होती हैं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दुबई के गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार में की अरदास

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलें एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने विदेश दौरे के दौरान दुबई स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली में अरदास कर देशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। मनोहर लाल ने कहा कि गुरूओं की वाणी आज भी मानव जाति का मार्गदर्शन कर रही हैं। हम सभी को गुरूओं के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए ताकि आने वाली पीढियां उनसे प्रेरणा लेती रहे। हमें गुरूओं के संदेशों पर अमल कर उन्हें अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उन्होंने दुबई में प्रगति कर रहे, सिख व पंजाबी समाज की तारीफ की और स्वागत के लिए उनका धन्यवाद किया केंद्रीय मंत्री का दुबई स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली में पहुचने पर गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार सरदार सुरिंदर सिंह कंधारी और प्रबंधक सेवक एसपी सिंह ओबेरॉय ने उन्हें सिरोपा और सम्मान चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके साथ काउंसलेट जनरल सतीश कौशिक साथ मौजूद थे।

कांग्रेस के राज में हर 18वें मिनट में होता था एक दलित उत्पीड़न : सुदेश कटारिया

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने कहा कि कांग्रेस राज में हर 18वें मिनट में दलित उत्पीड़न होता था। मगर वर्ष 2014 में जब मनोहर लाल ने हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री की कमान संभाली तो उन्होंने दलितों की सबसे पुरानी मांग को पूरा करते हुए एससी कमीशन का गठन किया। आज एससी कमीशन दलितों की सुनवाई का सबसे बड़ा मंच बनाया गया है। इसके साथ ही दलितों के हकों की आवाज बुलंद करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान जनचेतना ट्रस्ट का गठन किया गया है, जिसके जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की जा चुकी है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के मुख्य मीडिया सलाहकार नारायणगढ़ में आयोजित हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। नारायणगढ़ से हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान समारोह का विधानसभा स्तर पर आयोजन का सिलसिला शुरू हुआ। नारायणगढ़ विधानसभा में आयोजित समारोह के आयोजक गौरव

जौली थी। इसके साथ ही डॉ. कपूर सिंह और रवि चौधरी भी प्रमुख तौर पर मौजूद रहे। समारोह में पहुंचने पर लोगों ने हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान जन चेतना ट्रस्ट के अध्यक्ष सुदेश कटारिया का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। वहीं, आयोजक गौरव जौली ने मुख्यातिथि को संविधान निर्माता बाबा साहेब का चित्र और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान जन चेतना ट्रस्ट के अध्यक्ष सुदेश कटारिया ने कहा कि वर्ष 2014 से पहली की सरकारों में क्षेत्रवाद, परिवारवाद और भाई-भतीजावाद का बोल-बोला था। धौलकपड़िये और कमीशनखोरी के जरिये जनता के काम होते थे। मगर जब वर्ष 2014 में मनोहर लाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की बागडोर संभाली तो उन्होंने सबसे पहले क्षेत्रवाद, परिवारवाद और भाई-भतीजावाद को समाप्त करते हुए हरियाणा एक-हरियाणवीं एक का नारा दिया।

हारी सीजन में बाजार आने वाले लोग फ्री पार्किंग में वाहन खड़े करें : राजेश मोहन

एजेंसी

गुरुग्राम। त्योहारी सीजन में यातायात को सुचारू रखने को लेकर पुलिस उपायुक्त यातायात ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों व पुलिस कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि हर अधिकारी, कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी करे। लोगों को यातायात संबंधी किसी तरह की दिक्कत ना आने दें।

पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश मोहन की ओर से ट्रैफिक टावर गुरुग्राम में यह बैठक ली गई। त्योहारों के मद्देनजर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए। पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ. राजेश मोहन ने बैठक में त्योहारों के मद्देनजर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मौजूद सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से सदर बाजार क्षेत्र में अनावश्यक एवं गलत पार्किंग से बचने की अपील की, ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। आमजन अपनी

सुविधा के लिए सदर बाजार के नजदीक चिन्हित निःशुल्क पार्किंग स्थलों का उपयोग करें। जिनमें सिविल अस्पताल के पास, हरीश बेकरी के पास, गौशाला के पास तथा कमान सराय के अंदर (पुराना थाना शहर के पास) की पार्किंग शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त यातायात ने मौजूद सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखने के लिए यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। विशेष रूप से लेन ड्राइविंग का पालन, गलत साइड में वाहन चलाना, नशे की हालत में ड्राइविंग, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना, ओवरस्पीडिंग तथा बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने जैसे मामलों पर नजर रखी जाएगी।

रोगियों के लिए 255 वार्ड और 1091 बेड आरक्षितः स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा के लोगों के लिए राज्य के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त प्लेटलेट्स (सिंगल डोनर प्लेटलेट्स) की सुविधा उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर सरकार निजी ब्लड बैंक से भी मुहैया करवाएगी। प्रदेश में डेंगू की स्थिति नियंत्रण में है , सरकार लगातार निगरानी कर रही है। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में आरती राव ने कहा कि प्रदेश में अब तक डेंगू की जांच के लिए 65,707 सैंपल लिए जा चुके हैं, जिनमें 1041 मामलों की पुष्टि हुई है। डेंगू से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि डेंगू की जांच के लिए लगातार परीक्षण किए जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में फ्री जांच की जा रही है जबकि प्राइवेट अस्पतालों के लिए भी मात्र 600 रूपये की फीस निर्धारित की गई है। ब्लॉक स्तर पर भी ब्लड सैंपलिंग शुरू की हुई है। इसके लिए 27 टेस्टिंग लैब्स सक्रिय हैं। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए सरकारी अस्पतालों

में 255 वार्ड और 1091 बेड डेंगू रोगियों के लिए आरक्षित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि डेंगू फैलने के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब तक 3.17 करोड़ घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें से 1.73 लाख घरों में डेंगू का लारवा मिला और तुरंत उसको नष्ट कर दिया गया। जिन घरों में बार-बार लारवा पाया गया है , विभाग द्वारा उन घरों को नोटिस भी जारी किया गया है। अब तक 87,143 घरों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि डेंगू से बचाव के लिए राज्य में अब तक 7874 स्थानों पर फॉगिंग की गई है। इसके साथ ही राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर बैठक करके सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। फोगिंग कार्य नगर निकाय व पंचायत विभाग द्वारा नियमित किया जा रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि सरकार जल्द ही 28 मोबाइल फ़ूड सेफ्टी टेस्टिंग वैन की खरीद करेगी , इनसे एनसीआर में पड़ने वाले हरियाणा के 14 जिलों में नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों पर पैनी नजर रखी जाएगी। अक्तूबर 2024 से लेकर अब तक खाद्य पदार्थों के 3682 सैंपल लिए गए है जिनमें से 606 सैंपल फेल हुए हैं। जो सैंपल फेल हुए हैं उनके खिलाफ एडीसी -कम-एडजुडिकेटिंग-ऑफिसर की कोर्ट में केस दायर किए गए हैं। अब तक खराब खाद्य सामग्री बेचने वालों पर 1 करोड़ 10 लाख 56 हजार का जुर्माना भी किया जा चुका है।

अनाज मंडी, सीएचसी व राजकीय विद्यालय को मिलें सुविधाएंः उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने उपमंडल हथीन का दौरा करते हुए हथीन अनाज मंडी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व शहीद नायक राजेंद्र सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय का निरीक्षण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं व सुविधाओं की जांच की। उपायुक्त ने निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हथीन अनाज मंडी, सीएचसी व राजकीय विद्यालय में आवश्यक सुविधाएं व व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएं। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि बरसात से किसानों की फसल को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है तथा अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी

है। उन्होंने मंडी में गेट पास जारी करने की व्यवस्था की जांच करते हुए कहा कि किसानों को बिना किसी विलंब के गेट पास जारी किए जाएं। किसानों को गेट पास प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि फसल खरीद के साथ ही फसल का उठान भी हाथों-हाथ सुनिश्चित किया जाए।साथ ही निर्धारित समयावधि में किसान को उसके खाते में फसल का भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने बारदाना व फसल उठान के लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था आदि का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार, नगराधीश अप्रतिम सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल के उपनिदेशक डॉ. बाबूलाल, सिविल सर्जन डा. सतेंद्र वशिष्ठ सहित मार्केट कमेटी तथा खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

देशी अपनाकर ही बनेगा आत्मनिर्भर और विकसित भारतः गौरव गौतम

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि विकसित भारत का मूल आधार आत्मनिर्भर भारत है और इसका रास्ता स्वदेशी से होकर गुजरता है। देश तभी वास्तविक रूप से विकसित हो सकेगा, जब हम उन्हीं उत्पादों को अपनाएंगे जिनमें भारत के किसानों और मजदूरों का पसीना शामिल है। इससे न केवल वे आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, बल्कि देश भी मजबूती की राह पर आगे बढ़ेगा। राज्यमंत्री गौरव गौतम सिरसा जिले के गांव अलीकां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के सामने यह विजन रखा है कि 2047 तक, जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का रास्ता स्वदेशी से होकर ही जाता है। हमें वही वस्तुएं खरीदनी चाहिए जिनमें भारत की मिट्टी की सुगंध और हमारे मजदूरों का पसीना हो।

उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी। अगर हम भारत में बने उत्पादों को

प्राथमिकता देंगे तो न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि देश का तकनीकी और औद्योगिक विकास भी तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई योजनाएं जैसे मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और वोकल फॉर लोकल सभी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे देश के युवाओं, किसानों और मातृशक्ति द्वारा निर्मित उत्पादों को अपनाएं ताकि आने वाली पीढियां भी गर्व महसूस करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर काम कर रही है और सभी क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का उद्देश्य देश के हर नागरिक को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना है। इस अभियान के जरिए भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। इस अवसर पर हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, भाजपा जिलाअध्यक्ष डबवाली रेणू शर्मा, बलदेव सिंह मांगेआना, मार्केट कमेटी चेयरमैन सतीश जग्गा, विजयंत शर्मा, कृष्ण चौहान,निशान जोसन आदि मौजूद रहे।

समाधान शिविर में शिकायतों का प्राथमिकता से हो रहा निदानः वत्सल वशिष्ठ

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता एडीसी वत्सल वशिष्ठ ने की। समाधान शिविर में बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी शिकायतें प्रत्यक्ष रूप से एडीसी के समक्ष रखीं। मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया गया।इस शिविर में बिजली निगम, जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी (जल आपूर्ति), समाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्व, खाद्य एवं आपूर्ति, पुलिस, नगर निगम सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एडीसी ने सभी अधिकारियों

को निर्देश दिए कि वे प्राप्त शिकायतों का समाधान तत्काल प्रभाव से करें और जिन मामलों में समय लगना संभव है, उनकी लिखित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। एडीसी वत्सल वशिष्ठ ने बताया कि अधिकांश शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायतों में पेंशन स्वीकृति में विलंब, विधवाओं और बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड में त्रुटियाँ, जलापूर्ति बाधित होना, भूमि रिकॉर्ड में गड़बड़ी, तथा थाना स्तर की विभिन्न समस्याएं शामिल थीं।एडीसी ने कहा कि समाधान शिविरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि नागरिकों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, बल्कि एक ही स्थान पर उन्हें सभी विभागों के अधिकारी मिल जाते हैं। इससे उनकी शिकायतें जल्द सुनकर समाधान किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ आमजन में विश्वास पैदा करने का सशक्त माध्यम बन चुकी है।

पानीपत के एसपी व डीसी ने बाइक पर सवार होकर लिया सुरक्षा का जायजा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में त्योहारी सीजन के चलते उपायुक्त डॉ विरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बाइक राईडर पर निकलकर शहर के विभिन्न बाजारों का जायजा लिया। जहां सुरक्षा व्यवस्था के साथ अतिक्रमण आदि को जांचा।

त्योहारी सीजन पर इंसार बाजार समेत प्रमुख बाजारों में सुरक्षा एवं व्यवस्था का नया प्लान लागू कर दिया है। जिसमें बाजरों में 17 बेरिगेट्स लगाकर दो टुकड़ियों में कमांडो के जवान तैनात किए है। 10 राईडर गश्त कर रही है।

अमर भवन मार्केट को ट्रैफिक के लिए वन वे किया है, इसमें तीन प्रवेश व चार निकासी के रास्ते दिए गए है। उपायुक्त डॉ.विरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह गुरुवार सुबह राईडर पर जिला सचिवालय से चलकर जीटी रोड से होते हुए गुरूद्वारा मार्केट से चोड़ा बाजार पहुंचे। यहा बेरिगेट के साथ की गई नाका व्यवस्था की जांच की। इसके बाद पचरंगा बाजार, अमर भवन चौक, हलवाई हट्टा, गुड़ मंडी, कलंदर चौक, वीर भवन चुंगी, सलारगंज गेट, इंसार बाजार लाल बत्ती चौक से जीटी रोड पर पहुंचे। यहां से जीटी रोड होते हुए जिला

सचिवालय पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण कर त्योहारी सीजन के खरीदारी करने आए लोगों और दुकानदारों को सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त डा0 पंकज, एएसपी हर्षित गोयल, ट्रेफिक डीएसपी सुरेश कुमार सैनी भी साथ रहें। उपायुक्त डा0 विरेंद्र कुमार दहिया में बाजारों का जायजा लेने उपरांत जिला सचिवालय परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि त्योहारी सीजन को लेकर बाजारों में खरीदारी शुरू हो गई है। प्रसाशन और पुलिस ने गत दिनों शहर में ऑटो व ई रिक्शा को लेकर ऑड इवन लागू कर यातायात व्यवस्था को बेहतर करने का प्रयास किया है। अब त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजारों में भी नई व्यवस्था लागू की है।

आज पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह और नगर निगम आयुक्त डा पंकज के साथ बाजारों का निरीक्षण किया। बाजारों में व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है, इसमें कुछ और भी सुधार की आवश्यकता है, जिसको जल्द ही दूर कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि बाजार में दुकानों के बाहर बाइक खड़ी थी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर मिला 44वां स्थान

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने टाइम्स हायर एजुकेशन की विश्वविद्यालय रैंकिंग में दुनिया के 1001-1200 वैश्विक संस्थानों की सूची में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को इस रैंकिंग में देश के 128 भारतीय विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय स्तर पर 44वां स्थान प्राप्त किया। दिलचस्प बात यह है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहली बार इस रैंकिंग में शामिल हुआ और एक बड़ी छलांग के साथ देश के श्रेष्ठ संस्थानों की सूची में खुद को शामिल करने में कामयाब हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय को पहले ही प्रयास में टाइम्स हॉयर एजुकेशन रैंकिंग में दुनिया भर के शिक्षण संस्थानो में 1001-1200 वैश्विक संस्थानों की सूची में शामिल होने व देश के 128 राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में 44वां स्थान हासिल हुआ है। उन्होंने बताया कि वैश्विक गुणवत्ता अनुसंधान में विश्वविद्यालय को 781वां स्थान प्राप्त हुआ है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय उत्कृष्टता की और अग्रसर है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालय बने इस दिशा में ही निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शोध की गुणवत्ता के मानदंड में वैश्विक स्तर पर 781वां स्थान प्राप्त किया है, जो शोध और नवाचार पर हमारे रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह शोध उपलब्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक उत्कृष्ट शोध शिक्षण संस्थान के रूप में उभर रहा है।

वित्त विभाग ने 7,350 करोड़ की पीएलआई योजना पर उठाए सवाल

- योजना से चीन पर निर्भरता घटेगी, पर नई आयात निर्भरता पैदा होगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्त विभाग (डीओई) ने भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) द्वारा प्रस्तावित 7,350 करोड़ की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना पर सवाल उठाए हैं। यह योजना देश में रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है, जिससे चीन से आयात पर निर्भरता कम की जा सके। वित्त विभाग ने चेताया कि योजना से एक निर्भरता कम जरूर होगी, लेकिन भारत को दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के लिए अन्य देशों पर निर्भर होना पड़ेगा। भारत में केवल इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) ही 500 टन ऑक्साइड की आपूर्ति कर सकती है, जबकि 5 प्लांटों के लिए सालाना 1,500 टन की जरूरत होगी। डीओई ने यह भी चिंता जताई कि भारी सब्सिडी मिलने से कंपनियों को लागत घटाने या नवाचार करने की प्रेरणा नहीं मिलेगी। साथ ही, अगर हर ऑटोमोबाइल कंपोनेंट में कमी या संकट के चलते अलग योजना बनेगी, तो यह एक गलत उदाहरण बन सकता है। विभाग ने यह भी सवाल किया कि आरईपीएम योजना को नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के तहत क्यों नहीं लाया गया। साथ ही यह सुझाव दिया कि सरकार को स्पष्ट दीर्घकालिक रणनीति बनानी चाहिए, क्योंकि दुनिया आरईपीएम के विकल्प जैसे आयरन नाइट्राइड और स्ट्रॉन्शियम-फेराइट मैग्नेट्स की ओर बढ़ रही है।

इरडा के तिमाही नतीजे 14 अक्टूबर को आएंगे, दमदार रिजल्ट की उम्मीद

कंपनी ने दूसरी तिमाही में लोन सैंक्शन और डिस्बर्समेंट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की

नई दिल्ली ।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरडा) अपने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) के वित्तीय नतीजे 14 अक्टूबर 2025 को जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में तिमाही और एच1 (हाफ ईयर) के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। इरडा ने इस तिमाही में बिजनेस के लिहाज से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कंपनी ने जुलाई से सितंबर 2025 के बीच 33,148 करोड़ रुपए के लोन सैंक्शन किए, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 17,860 करोड़ के मुकाबले 86 फीसदी ज्यादा है। वहीं लोन डिस्बर्समेंट 15,043 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 54 फीसदी की बढ़त है। नवंबर 2023 में आईपीओ लॉन्च करने वाली इरडा का शेयर 32 रुपए पर जारी हुआ था और लिस्टिंग के दिन 50 रुपए पर खुला। तब से अब तक इसका शेयर मूल्य 149.15 रुपए तक पहुंच चुका है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। अब बाजार की नजर 14 अक्टूबर को आने वाले वित्तीय नतीजों पर है। निवेशक खासतौर पर कंपनी की आय, मुनाफा और एसेट क्वालिटी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

अब अमेजन पर भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध

- घर बैठे होगी डिलीवरी, पांच शहरों में शुरू हो गई सर्विस

नई दिल्ली ।

अगर आप रॉयल इनफील्ड की बाइक खरीदना चाहते हैं तो अब आपको शोरूम जाने की जरूरत नहीं होगी। अब फ्लिपकार्ट के बाद अमेजन ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध करा दी है। अब अपने पसंद की बाइक को घर पर ही डिलीवर करवा सकते हैं। फिलहाल यह सुविधा देश के 5 शहरों में शुरू की गई है और आगे इसमें अन्य शहरों को भी जोड़ा जाएगा। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने बताया है कि उसके ब्रांड वाली 350 सीसी की सभी मोटरसाइकिल अब ऑनलाइन ई-कॉमर्स मंच अमेजन से खरीदी जा सकेंगी। इसमें क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350, गोअन क्लासिक 350 और नई मेट्योर 350 जैसी बाइक शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अब ये सभी बाइक अमेजन इंडिया पर रॉयल एनफील्ड ब्रांड के बिक्री केंद्र के जरिये बेची जाएंगी। ग्राहक ऑनलाइन ऑर्डर करने के बाद अपने घर पर ही डिलीवरी ले सकते हैं। फिलहाल पांच प्रमुख शहरों अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे के ग्राहकों के लिए ही यह सेवा शुरू की गई है। इन शहरों में मोटरसाइकिल की आपूर्ति और बिक्री के बाद की सेवाएं ग्राहक के शहर में मौजूद उनके पसंदीदा रॉयल एनफील्ड डीलरशिप के जरिये की जाएगी। अमेजन से पहले फ्लिपकार्ट ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक को ऑनलाइन बेचना शुरू कर दिया है। फ्लिपकार्ट पर 22 सितंबर यानी नवरात्र की शुरुआत से ही 350 सीसी वाली बाइकों की बिक्री शुरू की जा चुकी है। कंपनी ने बताया है कि 350 सीसी की रेंज वाली सभी बाइक उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। फ्लिपकार्ट इन बाइकों की डिलीवरी देश के 5 चुनिंदा शहरों में कर रहा है, इसमें बैंगलुरु, गुरुग्राम, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई शामिल हैं।

एसबीआई में एमडी पद प्राइवेट बैंकरों के लिए खुला

नई दिल्ली ।

सरकार ने पहली बार देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) के पद पर प्राइवेट सेक्टर के अनुभवी बैंकरों को आवेदन करने का मौका दिया है। अब एसबीआई के चार एमडी पदों में से एक पर प्राइवेट क्षेत्र के उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह बदलाव सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों में नेतृत्व चुनने के तरीके में क्रांतिकारी माना जा रहा है। फाइनेंशियल सर्विसेज इंस्टीट्यूशंस ब्यूरो (एफएसआईबी) को उम्मीदवारों का मूल्यांकन कर सिफारिश करने का अधिकार दिया गया है। इस प्रक्रिया में अब एनुअल परफारमेंस एप्रेसियल रिपोर्ट अनिवार्य नहीं होगी, जो पहले शीर्ष पदों के लिए जरूरी थी। एफएसआईबी उम्मीदवारों की व्यवहारिक और कौशल क्षमता के आकलन के लिए एचआर एजेंसी की मदद भी ले सकेगा, पर चयन में एजेंसी शामिल नहीं होगी। इसके अलावा उम्मीदवारों को पिछले दस साल में किसी प्रकार की सजा नहीं मिली होनी चाहिए। इस पद के लिए आवश्यक है कि उम्मीदवार के पास कम से कम 21 साल का प्रोफेशनल अनुभव हो, जिसमें 15 साल बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव अनिवार्य है। साथ ही, उम्मीदवार को किसी बैंक के बोर्ड स्तर पर दो साल या बोर्ड से नीचे टॉप लेवल पर तीन साल का अनुभव होना चाहिए।

2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च होगी निसान टेकटॉन

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय कंपनी निसान मोटर इंडिया ने अपनी मोस्ट-अवेटेड सी-सेगमेंट एसयूवी, टेकटॉन, का खुलासा कर दिया है। भारतीय बाजार में कंपनी इसे 2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च करने वाली है। टेकटॉन निसान और रेनॉल्ट की साझेदारी वाले चेन्नई प्लांट में तैयार होगी और भारत के साथ कुछ ग्लोबल मार्केट्स में भी एक्सपोर्ट की जाएगी। यह एसयूवी प्रीमियम और प्रैक्टिकल दोनों ही तरह की है और इसे हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हायराइडर, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन जैसी गाड़ियों को टक्कर देने के लिए तैयार किया गया है।

'टेकटान' नाम ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'कारीगर' या 'निर्माता।' निसान का कहना है कि यह नाम उनकी इंजीनियरिंग और डिजाइन फिलॉसफी को दर्शाता है। कंपनी इसे उन ग्राहकों के लिए पेश कर रही है जो अपने करियर, जीवनशैली और पैशन के जरिए अपनी पहचान बनाते हैं।

टेकटॉन का डिज़ाइन आकर्षक और दमदार है। इसमें फ्लैट बोनट, वी-मोशन ग्रिल, स्प्लिट हेडलैम्प्स और सी-शेप एलईडी डीआरएलएस शामिल हैं। रग्ड बंपर, बड़े अलॉय व्हील्स और चौड़े व्हील आर्च इसे मजबूत लुक देते हैं।

टेकटॉन निसान की भारत में नई ग्रोथ स्ट्रैटेजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके बाद कंपनी सब-4 मीटर एमपीवी और 7-सीटर एसयूवी भी पेश करेगी। साइड प्रोफाइल में हिमालय से प्रेरित डबल-सी पैटर्न है, जबकि पीछे की ओर फुल-विड्थ एलईडी टेललाइट बार, स्क्वेयर लैंप्स और रियर स्पॉइलर इसकी प्रीमियम अपील बढ़ाते हैं। पावरट्रेन के मामले में यह एसयूवी सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगी। इसमें पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन ऑप्शन मिलने की उम्मीद है, और टॉप वैरिएंट में ऑल-व्हील ड्राइव भी हो सकता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.66 पर बंद हुआ। सबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.80 पर कमजोर खुला, लेकिन जल्द ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.78 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और आयातकों की मांग के कारण रुपये पर दबाव पड़ा। हालांकि, घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने गिरावट पर अंकुश लगाया। छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.32 पर रहा।

असम में चाय उद्योग में सभी उत्पादकों की जगह बनी रहनी चाहिए: रवि कोटा

कोलकाता । असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा है कि राज्य के चाय उद्योग में मौजूद दोहरी संरचना, जिसमें बड़े संगठित उत्पादक और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) शामिल हैं, भविष्य में भी बनी रहनी चाहिए। उन्होंने इस संरचना को आवश्यक बताते हुए कहा कि दोनों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना सह-अस्तित्व बनाए रखना होगा। असम भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है, जो देश की सालाना चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा देता है। बड़े संगठित उत्पादकों को बागान अधिनियम के तहत कई कल्याणकारी दायित्व निभाने होते हैं, जबकि छोटे उत्पादक इन दायित्वों से मुक्त हैं। एसटीजी का योगदान भारत की कुल चाय उत्पादन में 50 फीसदी से अधिक है। कोटा ने चाय के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य (एमएसपी) लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए जो किसानों के लिए न्यायसंगत हो। साथ ही चाय के आयात में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उत्पाद के मूल स्रोत की जानकारी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए।

जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर करेगी अमेरिका में 300 मिलियन डॉलर का निवेश

- स्टेराइल इंजेक्टेबल्स की उत्पादन क्षमता होगी दोगुनी

नई दिल्ली । जुबिलेंट फार्मा लिमिटेड की अमेरिकी शाखा जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर एलएलसी अमेरिका में अपनी स्टेराइल इंजेक्टेबल दवाओं की उत्पादन क्षमता को दोगुना करने के लिए 300 मिलियन डॉलर (लगभग 2,500 करोड़) का निवेश करेगी। यह निवेश वित्त वर्ष 2027–28 तक पूरा होने की योजना है। कंपनी ने यह विस्तार वाशिंगटन के स्पोकेन में स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में किया है, जहां तीसरी उत्पादन श्रृंखला की स्थापना 132 मिलियन डॉलर की लागत से की गई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह वेश कंपनी की उत्पादन क्षमता को मौजूदा 5 करोड़ शीशियों से बढ़ाकर 10 करोड़ शीशियों प्रति वर्ष कर देगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा उत्पादों पर लगाए गए भारी शुल्कों के चलते लिया गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिल सके और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा सके।

JUBILANT PHARMOVA

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक की बढ़त के साथ 82,500.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.55 अंक बढ़कर 25,285.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज निफ्टी पर 3,174 शेयरों में से 1,905 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 1,177 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा 92 शेयरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया।

आज सिप्ला , एसबीआई , मारुति सुजुकी , डॉ. रेड्डीज़ लैब्स व भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि टा स्टील, टीसीएस व एचडीएफसी लाइफ का शेयरगिरावट के साथ 747.30 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर में भी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 82,075.45 पर खुला। खुलने के बाद इंडेक्स में गिरावट बढ़ गई और यह 82,072 तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 25,167.65 पर खुला। । एशिया के बाजारों में वॉल स्ट्रीट की तरह ही गिरावट देखी गई। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.08 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.85 फीसदी और जापान का निक्केई 0.63 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.81 फीसदी ऊपर रहा। अमेरिकी शेयर बाजार अपने हालिया रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे गिर गए। एसएंडपी 500 में 0.28 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक में 0.08 फीसदी की गिरावट आई और डॉव जोन्स 0.52 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

एयर इंडिया की नई उड़ान सेवा दिल्ली से लंदन 26 अक्टूबर से

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने आगामी शीतकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए दिल्ली और लंदन (हीथ्रो) के बीच अपनी चौथी दैनिक उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। यह नई सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी। इसके साथ ही लंदन रूट पर एयर इंडिया की कुल साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 24 से बढ़कर 28 हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, इस अतिरिक्त उड़ान से यात्रियों के लिए प्रति सप्ताह 1,196 सीटें और उपलब्ध हो जाएंगी। सर्दियों के व्यस्त मौसम को देखते हुए यह कदम यात्रियों को अधिक विकल्प और लचीलापन प्रदान करेगा। नई उड़ान सेवा से भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार, पर्यटन और पारिवारिक यात्रा को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एयर इंडिया का यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है।

इक्सिगो 1,296 करोड़ में प्रोसस को 10.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा

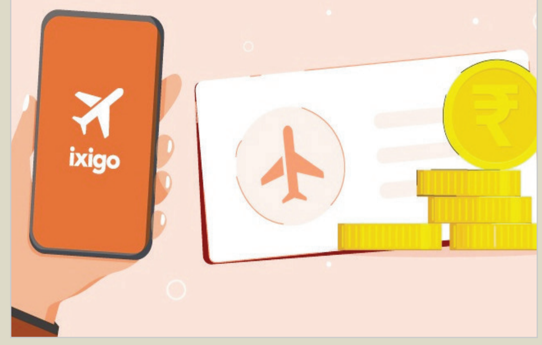

नई दिल्ली । यात्रा बुकिंग मंच इक्सिगो ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसे वैश्विक प्रौद्योगिकी निवेशक प्रोसस से 1,295.56 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त होगा। यह निवेश तरजीही इक्विटी निर्गम के माध्यम से किया जाएगा। प्रोसस की सहायक कंपनी एमआईएच इंवेस्टमेंट वन बी.वी. को 280 रुपए प्रति शेयर की दर से 4.62 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 10.1 फीसदी है। इक्सिगो ने बताया कि यह पूंजी कंपनी की विस्तार योजनाओं, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में उपयोग की जाएगी। इस निवेश के साथ, इक्सिगो को न केवल वित्तीय मजबूती मिलेगी, बल्कि एक अनुभवी वैश्विक निवेशक का साथ भी मिलेगा, जो इसके भविष्य के विकास में सहायक हो सकता है।

आईपीओ के ज़रिए भारत ने जुटाए 14.2 अरब, दुनिया में चौथे स्थान पर

- 74 कंपनियों ने जुटाए 85,241 करोड़, छोटे आईपीओ ने दिए 40 फीसदी तक रिटर्न

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत ने वर्ष 2025 में आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के ज़रिए पूंजी जुटाने के मामले में दुनिया में चौथा स्थान हासिल किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय कंपनियों ने इस वर्ष कुल 14.2 अरब डॉलर (85,241.08 करोड़) जुटाए, जो पिछले पांच वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी राशि है। भारत से आगे अमेरिका (52.9 अरब डॉलर), हांगकांग (23.4 अरब डॉलर) और चीन (16.2 अरब डॉलर) रहे।

इस वर्ष भारत में कुल 74 कंपनियों ने आईपीओ लाए, हालांकि इसमें बीवर्क इंडिया, टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया जैसे तीन बड़े आईपीओ शामिल नहीं हैं, जो लगभग 30,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं। जनवरी 2024 से अब तक 21 महीनों में 161 कंपनियों के आईपीओ सूचीबद्ध हुए हैं, जिनमें निवेशकों को औसतन 22 फीसदी रिटर्न मिला, जो निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन है। इनमें से 61 फीसदी आईपीओ ने छह महीने में निफ्टी से अधिक रिटर्न दिया। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि छोटे आकार के आईपीओ अधिक लाभदायक रहे हैं। 2 डॉलर मिलियन से कम वाले आईपीओ ने 40 फीसदी तक का रिटर्न दिया, जबकि 1 अरब डॉलर से अधिक के बड़े आईपीओ का औसत रिटर्न केवल 9 फीसदी रहा। गौरतलब है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2025 में सेकेंडरी मार्केट से जहां 18 अरब डॉलर निकाले, वहीं प्राथमिक बाजार में 5 अरब डॉलर का निवेश किया। यह भारत के आईपीओ बाजार में उनके भरोसे को दर्शाता है।

भारत में 47 फीसदी आबादी अब भी ऑफलाइन

- महिलाओं की डिजिटल भागीदारी 33 फीसदी कम

नई दिल्ली। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि भारत की लगभग 47 प्रतिशत आबादी अब भी इंटरनेट से जुड़ी नहीं है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में जीएसएमए एशिया एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। गोर्मन के अनुसार, डिजिटल पहुंच में सबसे बड़ी बाधा मोबाइल डिवाइस की ऊंची कीमतें और तकनीकी ज्ञान की कमी है। इसके अलावा, मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने में महिलाएं पुरुषों से 33 प्रतिशत पीछे हैं। यह बढ़ता डिजिटल लैंगिक अंतर देश के समावेशी विकास के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। जीएसएमए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 2013 के 108 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 370 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, और 2030 तक इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की संभावना है। लेकिन यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर डिजिटल पहुंच और नवाचार में असमानता दूर नहीं की गई, तो 2047 तक भारत के डिजिटल संप्रभुता लक्ष्यों को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे और मोबाइल अपनाने में अग्रणी है, पर अनुसंधान एवं विकास, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कुशल तकनीकी पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में अभी भी पिछड़ रहा है।

बालिकाओं को उड़ान दें, समाज को नई दिशा दें

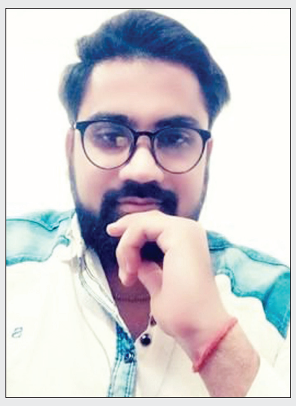

दिलीप कुमार पाठक

आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है।

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वास्तविकता कुछ और ही है। 2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज़्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएँ उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी - छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों मे ये कैसी गिरावट है जहां छोटी - छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहीं हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

जब पाकिस्तान में मलाला यूसुफजई ने बेटियों के शिक्षा का मुद्दा उठाया, तो कट्टरपंथी लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, ऐसे-ऐसे मुद्दे जब मेन स्ट्रीम में आते हैं, तब समाज की हकीकत सामने आ जाती है, दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले लोगों की संख्या ज़्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की शुरूआत यूनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है। लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था।

प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।

आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः ह्लद गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिसह्व इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाजों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं। चूँकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएँ बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएँ निभाने में उनके साहस को दर्शाता है। यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएँ भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें'

(लेखक पत्रकार हैं)

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्वीपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंड़ित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है।

संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं

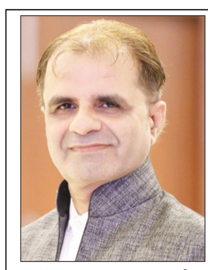

किशन सनमुखदास भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है।शराब, सिगरेट,तम्बौकू एवं ड्रग्सन जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हि?स्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे.प्ले टफार्म पर रहने वाले बच्चीं भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चेंक कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्तिह मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगें।

साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की जरूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया हैः(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय - नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और

काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है। (6) सीमा सुरक्षा और तस्करी पर नियंत्रण-भारत की सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत किया गया है, ताकि ड्रग्स की तस्करी को रोका जा सके।ड्रग्स की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। (7) समुदाय और परिवार की भागीदारी-सरकार समुदाय और परिवारों को भी नशा मुक्ति अभियान में शामिल कर रही है, ताकि समाज का हर वर्ग इसमें भरपूर स्वेच्छा से सहयोग दे सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने समुदायिक सहायता की जरूरत है।मादक पदार्थों के प्रयोग से दुष्प्रभाव-परिवारों से विच्छेदन, आपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि, शारीरिक व मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

पंकज चतुर्वेदी

इस बार की बरसात उत्तराखंड में भूस्खलन से तबाही की नई इबारत लिख गई और चेतावनी भी दर्ज कर गई कि राज्य में पहाड़ गिरने का खतरा अब पूरे साल, हर मौसम में बना हुआ है । इस साल के तीन महीने में 1000 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए गए हैं, जिनमें 260 से अधिक लोगों की जान गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की हालिया लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में रूद्रप्रयाग जनपद भूस्खलन के लिहाज से देश का सबसे संवेदनशील जिला बन गया है। इसरो की लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया में 17 राज्यों के 147 जिलों का विश्लेषण किया गया है। उत्तराखंड के सभी 13 जिले इस सूची में शामिल हैं, जिसमें रूद्रप्रयाग पहले और टिहरी दूसरे स्थान पर है। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक उत्तराखंड में इस वर्ष मानसून में भूस्खलन और भूधंसाव के 25 से अधिक नए स्पॉट सामने आए हैं। पिछले दिनों डॉ मुरलीमनोहर जोशी, डॉ कर्ण सिंह, शेखर पाठक, के गोविंदाचार, रामचन्द्र गुहा सहित 57 लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर अपने सितंबर-2022 के उस निर्णय को बदलने का अनुरोध किया है जिसमें चार धाम के लिए चौड़ी सड़क बनाने पर अदालत ने मंजूरी दी थी । इस बीच भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी एस आई) की ताजा रिपोर्ट ने उत्तराखंड के पहाड़ों अपर रहने वालों की चिंताएं और बढ़ा दी है जिसमें बताया गया है कि राज्य का 22 फीसदी हिस्सा भूस्खलन को ले कर गंभीर, जबकि 32 प्रतिशत माध्यम और प्रतिशत निम्न खतरे में आ रहा हैं। इस मानसून में राज्य को भूस्खलन के चलते तीन हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। जी एस आई ने साफ खा हैं कि आल वेदर रोड, हायड्रो पावर प्रोजेक्ट और बेतहाशा निर्माण के चलते पहाड़ों पर खतरा और बढ़ गया हैं।

इन राष्ट्रीय राजमार्गो पर 203 भूस्खलन जोन चिह्नित किए गए हैं। देहरादून- पिथौरागढ़ मार्ग पर एक-दो नहीं बल्कि 60 भूस्खलन जोन को चिह्नित किया गया। ऑलवेदर रोड पर गौचर के पास कमेड़ा भूस्खलन जोन का स्थायी समाधान बीते तीन साल में नहीं निकल पाया है। यहां पहाड़ी के बड़े हिस्से में हो रहे भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे को भारी नुकसान पहुंच रहा है। कमेड़ा में हालात नहीं सुधर पाए कि अब बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग के पास उमट्टा ने मुसीबत बढ़ा दी है। यहां बीते वर्ष पहाड़ी के हिस्से से मलबा आया था। गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे वल्णावत पर्वत की तलहटी में बसा है। यहाँ भूस्खलन का मतलब पूरे रिहायशी इलाके का खतरे की जद में आना है। वल्णावत पर्वत का पूरा क्षेत्र कई मायनों में बेहद संवेदनशील है। भूकंप के लिहाज से यह बेहद खतरनाक है । साल 1991 में यहां रिक्टर स्केल पर 6। 1 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। एक बात और, यहाँ घने चीड़ के जंगल हैं और अब इनमें गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं । वनों की कटाई, निर्माण के लिए पहाड़ों को तोड़ने के अलावा मिट्टी की पकड़ ढीली होने का यह भी बड़ा कारण है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के डाटा के अनुसार 1988 से 2023 के बीच उत्तराखंड में भूस्खलन की 12,319 घटनाएं हुईं। सन 2018 में प्रदेश में भूस्खलन की 216 घटनाएं हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या पांच गुना बढ़कर 1100 पहुंच गई। 2022 की तुलना में भी 2023 में करीब साढ़े चार गुना की वृद्धि भूस्खलन की घटनाओं में देखी गई है। पिछले साल भूस्खलन की 2946 घटनाएं दर्ज की गई जिनमें 67 लोगों की मौत हुई थी ।

उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। दुनिया के सबसे युवा और जिंदा पहाड़ कहलाने वाले हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुला कर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं । उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। मामला एनजीटी में भी गया लेकिन तब तक पेड़ काटे जा चुके थे। यही नहीं सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी के से भी गुजर रहा है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाइपास सड़कें

बनाने पर काम चल ही रहा है । ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृति हो चुकी है, जिसमें ना सिर्फ बड़े पैमाने पर जंगल कटेंगे, वन्य जीवन प्रभावित होगा और पहाड़ों को काटकर सुरंगे और पुल निकाले जाएगें।

हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विल्पण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिए सामने आती है। जब पहाड़ पर तोड़फोड़ या धमाके होते हैं, जब उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड होती है तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है। देवभूमि, विकास में पर्यावरण संरक्षण, नैसर्गिक विकास और आस्था में सुख को त्याज्य करने की भावना विकसित करने के लिए आमंत्रित भी कर रही है और चेता भी रही हैं। खासकर जब इस साल दिसम्बर तक बरसात के लंबे खींचने की संभावना है, सरकार को अतिरिक्त सतर्क रहना होगा ।

संक्षिप्त समाचार

चीनी राष्ट्रपति के सियासी दल में शामिल महिला से हुआ अमेरिकी राजनयिक को प्रेम, ट्रंप प्रशासन ने छीनी नौकरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मामला कुछ इस प्रकार से है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक अमेरिकी राजनयिक को केवल इस वजह से नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध की बात छुपाई थी। बताया जा रहा है कि उस महिला के सीधे संबंध चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी से हैं। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राजनयिक को इस कारण से निकाला गया है। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में एक नियम लागू किया था, जिसके तहत चीन में तैनात किसी भी अमेरिकी सरकारी कर्मचारी, उनके परिवार या सुरक्षा क्लियरेंस वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को किसी भी चीनी नागरिक से प्रेम या यौन संबंध बनाने पर रोक लगा दी गई थी। मामले में विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि राजनयिक को इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने चीनी महिला से अपने रिश्ते को छिपाया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले की समीक्षा की और फिर इस मामले में कार्रवाई की गई है। पिगॉट ने आगे कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे। हालांकि राजनयिक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन वह और उसकी गर्लफ्रेंड एक गुप्त रूप से बनाए गए वीडियो में नजर आए थे जिसे मशहूर रूढ़िवादी पत्रकार जेम्स ओ'कीफ ने ऑनलाइन पोस्ट किया था।

रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए नामित

सैन होज़े, एजेंसी। कोस्टा रिका ने अपने लंबे समय से सक्रिय कूटनीतिज्ञ और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन को संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया है। ग्रिनस्पैन वर्तमान में जेनेवा स्थित यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव हैं और उन्हें यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अनाज को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र प्रयास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रॉड्रिगो चावेस ने वीडियो संदेश में कहा कि ग्रिनस्पैन का अनुभव और विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा क्षेत्रीय नेतृत्व में योगदान बहुपक्षवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका नामांकन आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

कांगो में इबोला के नए मामले नहीं मिले : डब्ल्यूएचओ

किंशासा, एजेंसी। दक्षिणी कांगो में फैले इबोला वायरस पर अब नियंत्रण के संकेत दिखाई दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 1 अक्तूबर के बाद से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओके अनुसार, 5 अक्तूबर तक पिछले 10 दिनों में संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं हुए, जिससे संकेत मिलता है कि प्रभावित इलाकों में संक्रमण की श्रृंखला अब टूट रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक कुल 64 मामले (53 की पुष्टि और 11 संदिग्ध) दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 43 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि बेहतर लॉजिस्टिक्स, हेलिकॉप्टर से मेडिकल सप्लाई, ग्राउंड डिलीवरी और तीन स्वास्थ्य केंद्रों के डी-कंटेमिनेशन जैसी कार्रवाइयों से संक्रमण पर काबू पाया जा सका है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि लगभग 2,000 संपर्कों पर नजर रखी जा रही है और एक भी छूटा हुआ मामला संक्रमण को फिर से फैला सकता है।

ह्यूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लेरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया।

ट्रंप की कोशिशों को लग सकता है झटका, नोबेल मिलने के आसार कम; खुद को भी नहीं है भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार जीतने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस साल ट्रंप की इच्छा पूरे होने के आसार कम हैं। खुद ट्रंप भी कह रहे हैं कि नोबेल कमेटी उनके बजाए किसी और को पुरस्कार देने की वजह खोज लेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान समेत 7 युद्ध रुकवाए हैं। एएफपी से बातचीत में स्वीडन के प्रोफेसर पीटर वालेनस्टीन ने कहा, नहीं, ट्रंप इस साल नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन शायद अगले साल? तब तक गाजा संकट समेत उनकी कई पहलों पर स्थिति साफ हो चुकी होगी।

कौन जीत सकता है पुरस्कार : खबर है कि इस साल 338 लोग और संगठन नॉमिनेशन प्रक्रिया में हैं, लेकिन यह सूची गुप्त रखी जाती है। नॉमिनेट करने वालों में सांसद, सरकारी अधिकारी, पूर्व विजेता और कमेटी के सदस्य शामिल होते हैं। साल 2024 में यह पुरस्कार जापान के एटम बम पीड़ितों से जुड़े निहोन हिदान्यको को मिला था। साफ नहीं है कि 2025 की रेस में कौन-कौन है। माना जा रहा है कि सुडान के इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम, रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा यूलिया नवलनाया और चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने वाले ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन्स एंड ह्यूमन राइट्स का नाम दौड़ में शामिल हो सकता है। इनके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनआरडब्ल्यूए के नाम पर मुहर लग सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार नोबेल कमेटी अपने चुनाव से सभी को चौंका सकती है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर पुरस्कार की घोषणा की जा सकती है।

तो इस बार कौन हो सकता है विजेता : जब ये बात लगभग-लगभग तय मानी जा रही है कि ट्रंप को इस बार नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने जा रहा है। तो ये सवाल भी लगातार सामने आ रहा है कि अगर ट्रंप नहीं तो कौन? ध्यान रहे कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को दोपहर 2:30 बजे (भारतीय समयानुसार) ओस्लो में की जाएगी। ऐसे में इस पुरस्कार के लिए इस बार 338 व्यक्ति और संस्थाओं को नामांकित किया गया है। हालांकि, नामों की आधिकारिक सूची 50 वर्षों तक गोपनीय रखी जाती है। 2024 में यह पुरस्कार जापान के निहोन हिदानक्यो को मिला था, जो परमाणु हमलों के जीवित बचे लोगों का संगठन है। दूसरी ओर इस बार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विजेता के नाम का चयन थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है। कारण है कि इस साल की स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि दुनिया भर में संघर्ष चरम पर हैं। इस्राइल और ईरान की सीधी भिड़ंत, गाजा में संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद जैसी घटनाओं ने माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। 2024 में रिकॉर्ड संख्या में राज्य-स्तरीय युद्ध भी हुए थे, जैसा कि स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के डेटा से पता चलता है।

इस साल 338 नामांकनों में कौन हैं प्रमुख दावेदार : 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई प्रभावशाली नाम चर्चा में हैं। सूडान की इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, जो युद्ध प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। वहीं रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा यूलिया नवलनाया भी इस सूची में शामिल हैं, जो अपने पति की विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस एंड ह्यूमन राइट्स , जो चुनाव निगरानी और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, भी एक प्रमुख उम्मीदवार है। संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं भी हो सकती हैं पुरस्कार की हकदार वहां कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नोबेल समिति इस बार वैश्विक व्यवस्था के समर्थन में कोई संदेश देना चाहेगी, खासकर उन नेताओं के खिलाफ जो इसे चुनौती दे रहे हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप। ऐसे में संभावित विजेताओं की सूची में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनएचसीआर (शरणार्थी मामलों की एजेंसी), यूएनआरडब्ल्यूए (फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) का भी नाम शामिल है।

हालांकि ठीक इसके इतर कुछ का मानना है कि वैश्विक न्याय या प्रेस स्वतंत्रता को लेकर काम करने वाली संस्थाओं को भी इस बार सम्मान मिल सकता है, जिसमें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स का नाम शामिल है।

अंतरिम सरकार और सहयोगियों के बीच सियासी खींचतान; एनसीपी ने सलाहकार की निष्ठा पर खड़े किये सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनुस-नेतृत्व वाली अस्थायी सरकार और उसके प्रमुख सहयोगी, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के बीच सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सरकार के सलाहकार बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सुरक्षित निकास की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा मैं किसी भी तरह का निकास नहीं ढूंढ रही। मैं अपना शेष जीवन बांग्लादेश में बिताऊंगी। उन्होंने एनसीपी नेताओं से स्पष्ट जवाब की मांग की कि उन्होंने ऐसा आरोप क्यों लगाया। एनसीपी ने ही हसीना को सत्ता से हटाया था एनसीपी ने फरवरी में युनुस के आशीर्वाद से राजनीतिक रूप में अपनी पहचान बनाई। यह पार्टी छात्रों के विरोध आंदोलन स्र्ष्ठ की एक बड़ी शाखा है, जिसने पिछले साल की 'जुलाई क्रांति' में हिंसक सड़कों पर प्रदर्शन किया और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाया। सुरक्षित निकास पर हंगामा बढ़ा युनुस ने अस्थायी सरकार में छात्रों के तीन प्रतिनिधियों को सलाहकार परिषद में शामिल किया। हालांकि, बाद में युनुस ने एनसीपी का नेतृत्व संभालने के लिए इस्तीफा दे

दिया, जबकि दो अन्य सदस्य सलाहकार बने रहे। एनसीपी के अनुसार, कई सलाहकार राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीपी के समन्वयक सरजिस आलम ने कहा कुछ सलाहकार अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सोच रहे हैं। सुरक्षित निकास का विकल्प केवल मृत्यु में है।

लोग उनका पीछा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी इस बीच, बांग्लादेश की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 29 अन्य के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हालांकि, अस्थायी सरकार ने कहा कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है और एनसीपी नेताओं के आरोपों की व्याख्या उनकी जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में आगामी फरवरी में राष्ट्रीय चुनावों से पहले यह सियासी उठापटक देश में राजनीतिक अस्थिरता और तनाव की नई लकीर खींच रही है।

बेबी पाउडर से मौत, जॉनसन एंड जॉनसन को देना होगा 8,500 करोड़ का मुआवजा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका में लॉस एंजिलिस की अदालत ने जॉनसन एंड जॉनसन को मेसोथेलियोमा कैंसर से मरने वाली एक महिला के परिवार को 8,500 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी को महिला की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराते हुए यह जुर्माना लगाया। परिजनों ने दावा किया था कि महिला ने जिंदगी भर कंपनी के बेबी पाउडर इस्तेमाल किया। इसके चलते उन्हें कैंसर हुआ। जूरी ने फैसले में माना, जॉनसन एंड जॉनसन ही महिला मे मूर को हुए कैंसर के लिए जिम्मेदार है। यह एस्बेस्टस से जुड़ा है। जूरी ने मुआवजे के रूप में करीब 140 करोड़ रुपये और सजा के तौर पर 8,360 करोड़ रुपये परिवार को देने का आदेश दिया। मूर का 2021 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार का आरोप था, कंपनी ने पाउडर में कैंसर के जोखिमों को स्पष्ट न कर धोखा दिया। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा, हमें अदालत में पक्ष साबित करने में पांच साल लगे। मूर ने इस बेबी पाउडर के साथ शावर-टू-शॉवर का पाउडर भी करीब 80 साल तक उपयोग किया था। कंपनी ने 2012 में शावर-टू-शॉवर को वैलेंट फार्मा को 15 करोड़ डॉलर में बेच दिया था। जॉनसन एंड जॉनसन के वैश्विक कानूनी मामले संभालने वाले एरिक हास ने कहा कि हम इस गंभीर फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करेंगे। यह फैसला ज्यादातर बेबी पाउडर मामलों से बिल्कुल विरोधाभासी है, जिनमें कंपनी ने जीत हासिल की है।

कंपनी पर हजारों मुकदमे 3 अरब डॉलर किए खर्च : कंपनी ने बेबी पाउडर में मौजूद एस्बेस्टस से मुकदमों से निपटने में 3 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। फिर भी कंपनी पर 70,000 से ज्यादा ऐसे मुकदमे लंबित हैं, जिनमें आरोप है कि इसके कारण मेसोथेलियोमा व डिम्बग्रंथि के कैंसर हुए हैं।कंपनी ने इस पाउडर को 2023 में दुनियाभर के बाजारों से वापस ले लिया था। उसने इनसे निपटने के लिए दिवालियापन अदालतों का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन उसकी कोशिश तीन बार असफल हो गई है।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप! राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला।

ट्रंप की युद्ध अधिकार की घोषणा : ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर सशस्त्र दुश्मन हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है।

क्या है वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन?

वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है।

विपक्ष का तर्क- कांग्रेस की शक्ति छीनी जा रही है : डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं। रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। रिपब्लिकन का रुख- देश की सुरक्षा पहले दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। जिम रिस्क, जो सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है। मार्को रूबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और वे सरकारों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं। राष्ट्रपति का कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा करे। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन ने एक गोपनीय ब्रीफिंग दी थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते, राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्ल्स रहे मौजूद

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे के तहत बीते दिन सिडनी पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार हो रही मजबूत इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है - जो विश्वास, साझा हितों और शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रियों की पहली वार्ता के लिए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। समझौते पर ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री का बयान वहीं इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जो गहरा विश्वास और रणनीतिक तालमेल देख रहे हैं, वह अब दोनों रक्षा बलों के बीच कहीं अधिक गहन परिचालन स्तर की सहभागिता में व्यक्त हो रहा है। हमारे परिचालन कमांडों के बीच स्टाफ वार्ता के संदर्भ में हमने जो समझौता किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है... हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। कैनबरा में रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर मंथन इसके अहम रक्षा समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने कार्यक्रमों के तहत ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील और संयुक्त अभियान प्रमुख वाइस एडमिरल जस्टिन जोन्स ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से मिले राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा स्थित संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में बैठक की। बाद में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भी बैठक में शामिल हुए। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री से राजनाथ सिंह की मुलाकात वहीं कैनबरा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात और उनके साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी की है। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक का भी दौरा किया।

गाजा में इस्राइली ठिकानों पर आतंकी हमला नाकाम, आईडीएफ की जवाबी कार्रवाई में कई दहशतगर्द ढेर

गाजा, एजेंसी। गाजा में आतंकवादियों ने बुधवार को इस्राइल डिफेंस फोर्स की सुरक्षा पोस्ट्स पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया और इस घटना में आईडीएफ के किसी भी सैनिक को कोई चोट नहीं आई। आईडीएफ ने अपने एक्स अकाउंट पर बताया कि गाजा शहर क्षेत्र में कई आतंकवादियों ने आईडीएफ पोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ सैनिकों ने वायुसेना के सहयोग से कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया। अतिरिक्त आतंकवादियों की खोज जारी है। इस घटना में आईडीएफ सैनिक सुरक्षित हैं। इस सप्ताहांत हो सकती है ट्रंप की मध्य पूर्व यात्रा इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे इस सप्ताहांत मध्य पूर्व जा सकते हैं। उनका यह संभावित दौरा गाजा में बंदी-बदल समझौते और संघर्षविराम वार्ता के बीच हो सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा शांति समझौता बहुत नजदीक है और मैं शनिवार को वहां जा सकता हूं। हमारी टीम बहुत अच्छी तरह से वार्ता कर रही है। ट्रंप ने कहा मध्य पूर्व के लिए शांति एक सुंदर विचार है और हम आशा करते हैं कि यह साकार होगा। हमारी टीम और विपक्ष की टीम दोनों ही उत्कृष्ट हैं। मुझे लगता है कि यह जल्द ही होगा। इस्राइल के विदेश मंत्री ने की बैठक की आलोचना इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन सार ने शुक्रवार को पेरिस में होने वाली बैठक की कड़ी आलोचना की, जिसमें यूरोपीय, अरब और अन्य राजदूत गाजा के युद्धोपरांत संक्रमण और स्थायी संघर्षविराम के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। सार ने इस पहल को अनावश्यक और हानिकारक बताया और कहा कि यह शार्म एल-शेख में चल रही वार्ता के संवेदनशील समय में इस्राइल की पीठ पीछे तैयार की गई। सार ने एक्स पर लिखा कि हम इसे राष्ट्रपति माक्रों का एक और प्रयास मानते हैं, जो अपने घरेलू मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस्राइल का उपयोग कर रहे हैं। इस घटना के बाद गाजा में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों पक्षों द्वारा कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद इलाके में संघर्ष की आशंका बनी हुई है।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे। वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं। समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं। कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही। कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा। हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार

किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रम्प ने कतर, मिस्र और तुर्किये को मध्यस्थता के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह अरब, इजराइल, अमेरिका और आसपास के सभी देशों के लिए एक महान दिन है। ट्रम्प ने 5 अक्टूबर को इजराइल की वापसी को दिखाते हुए एक मैप भी शेयर किया था। इसने उन्होंने पीली लाइन के जरिए बताया की इजराइली सेना पहले चरण में वहां तक पीछे हटेगी। बता दें कि इस संघर्षविराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्तूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इस्राइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे। पहले के समझौतों के आधार पर, एक इस्राइली बंधक के बदले कम से कम 100 फिलिस्तीनी रिहा किए जाएंगे। इतना ही नहां समझौते के तहत जब तक दोनों पक्ष पूर्ण संघर्षविराम की शर्तों को नहीं मान लेते, तब तक सभी सैन्य गतिविधियां, जैसे हवाई और तोपों से गोलाबारी रोक दी जाएंगी और सेना अपनी जगह स्थिर रहेगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा। ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं। वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासित बताया। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं। गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरुआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी।

कैसी शॉपर हैं आप

कुछ महिलाओं को शॉपिंग करने में बहुत दिक्कत होती है। उससे भी ज्यादा दिक्कत उनके साथ शॉपिंग कर रहे लोगों को होती है। दरअसल वे ऐसी शॉपर होती हैं, जिनको पता ही नहीं कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं और उनकी क्या जरूरतें हैं। इसलिए शॉपिंग करने के दौरान वे इस दुकान से उस दुकान तक बस चक्कर लगाती रह जाती हैं। ये 'थिंकर शॉपर' होती हैं, जो अच्छी बात नहीं है। क्योंकि उनके इस बर्ताव से उनके साथ के लोगों को चिड़चिड़ाहट होती है। इस की तरह कई महिलाएं होती हैं तो कुछ इनडिसिसिव शॉपर भी होती हैं, कुछ इंपल्सिव तो कुछ स्मार्ट शॉपर। हम आपको इन सबके बारे में बताते हैं-

थिंकर शॉपर

ये महिलाएं शॉपिंग करने के लिए निकल तो पड़ती हैं लेकिन इन्हें पता नहीं होता कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं। खरीदारी से संबंधित उनमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं होती, अपना और अपने साथ वालों का समय बर्बाद करती हैं। साथ ही दुकान वाले भी इनसे उकता जाते हैं।

इपल्सिव शॉपर

इस तरह की महिलाएं दुकान वालों को बहुत पसंद आती हैं। चीजों को देखते ही वे खरीदने का मन बना लेती हैं लेकिन जैसे ही उन्हें अपनी गलती का भान होता है, वे वापस लौटाने पहुंच जाती हैं।

इनडिसिसिव शॉपर

इस तरह की महिलाओं को पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए लेकिन कैसा चाहिए यह नहीं पता होता। जैसे, उन्हें पता है कि वे कंगन खरीदना चाहती हैं लेकिन किस डिजाइन का, इसके बारे में उन्हें कोई आइडिया नहीं होता।

स्मार्ट शॉपर

इस तरह की महिलाएं पूरी तरह से सोचकर ही दुकान में पहुंचती हैं। उन्हें पता होता है कि वे क्या, कैसा, कितने बजट का खरीदना चाहती हैं। अन्य लोगों से खरीदारी करने में आधा समय लगाती हैं।

अरहर दाल के पकौड़े

सामग्री : 1 कप अरहर की दाल, 1 बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टेबलस्पून कलौंजी, 4-6 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1 टीस्पून चाट मसाला, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि : अरहर की दाल को 4-5 घंटे तक भिगोकर रखें। मिक्सर में पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। सभी सामग्रियां मिला लें। तेल गर्म करके पकौड़ियां उतार लें।

मीठी व हरी चटनी के साथ गरमा गरम सर्व करें।

करें बच्चों की हौसला अफजाई

पहले कहा जाता था कि बेशक आपको सब कुछ दूसरों का ही अच्छा लगता हो लेकिन बच्चें हमेशा ही अपने अच्छे लगते हैं फिर भी आप अपने बच्चे की तुलना दूसरों से करते हैं कि देखों पड़ोसी का लड़का क्लास में प्रथम आया है , वह ऑल राउंडर है, वह यह है, वह वह है और न जाने क्या-क्या। इसी तुलना में आप अपने बच्चें की अच्छाइयों को नकार देते हैं और न जाने उसमें कितनी कमियां निकाल देते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उस समय आपके बच्चे के दिमाग पर इन सभी बातों का कितना गलत असर पड़ता होगा।

प्रत्येक इंसान में एक जैसा दिमाग नहीं होता, किसी की ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है तो किसी की कम। कोई बातों को बहुत जल्दी समझ लेता है तो कोई थोडे प्रैशर के बाद ही समझ पाता है। कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो प्रतियोगिता के कारण पढ़ते हैं। कुछ अपने आप ही पढ़ते हैं तो कुछ प्रोत्साहन के बाद ही पढ़ते हैं। इसके लिए बच्चा दूर-दूर तक जिम्मेदार नहीं होता।

बच्चे को आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता इसलिए उसे आगे बढ़ाने के लिए आपको क्या करना चाहिए यह आपको ही तय करना है। वह कुछ भी हो सकता है लेकिन यह रास्ता तो बिल्कुल भी नहीं है कि आप अपने बच्चे के पीछे रहने के कारण उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करें या उसे किसी भी प्रकार का ताना मारे। अक्सर ऐसा होता है कि आपके दो बच्चों में ही एक तो बहुत तेज यानी हर बात में आगे होता है और दूसरा काफी सुस्त होता है। जिस कारण आप उन दोनों में भी तुलना करते हैं और बजाय उसकी ग्रहण क्षमता के स्तर को जानने के उस पर होशियार बच्चें की तरह बनने के लिए प्रैशर डालते हैं। इससे बच्चा मानसिक तौर पर बिमार हो सकता है, जिसका आपको पता तक नहीं चल पाता। आप उसकी बिमारी को उसका ढीठपना और नालायकी समझते हैं। यह नहीं जानते कि आपका बच्चा ऐसे हालात में दिमागी तौर से कितना बीमार है। जिस बिमारी के चलते उसमें हीन भावना आ सकती है। कई बार तो यह हीन भावना बच्चों पर इतनी ज्यादा हावी हो जाती है कि वह गलत कदम उठा सकता है।

बच्चे को नकारना ही आपको बच्चों से अलग करता है। जिस कारण वह आपसे खुलकर बात तक नहीं कर पाते और अपनी परेशानी भी शेयर नहीं कर पाते कि वह ठीक से क्यों काम नहीं कर पा रहे। हर बच्चा या हर इंसान हर काम में परफैक्ट हो, यह संभव नहीं। प्रत्येक इंसान में ही कोई न कोई कमी होती है और वह कमी तभी दूर की जा सकती है, जब उसके अपने बजाय ताना मारने के उसका साथ दें। बच्चे को प्रोत्साहित करें कि वह भी आगे बढ़ सकता है और वह किसी से कम नहीं है बस उसे थोड़ी सी कोशिश करनी होगी। कई बार अपनों का विश्वास ही बच्चों को आगे बढ़ने के लिए काफी होता है। उसकी सुने की उसे किस तरह की परेशानी होती है और यदि वह आपके पूरे साथ देने के बाद भी सही से परफोर्म नहीं कर पा रहा है तो आप उस पर किसी तरह का बोझ नहीं डाले बल्कि किसी मनोचिकित्सक से सलाह लें।

सर्दियों मे बगिया रहे खिली-खिली...

यदि फूल-पौधों से आपको प्यार हैं और आप स्वयं बागवानी करके अपनी बगिया को हरा-भरा तथा रंग-बिरंगे फूलों से महकाना चाहती हैं तो यह मौसम इस काम के लिए सर्वश्रेष्ट है। हरियाली तथा आपकी बगिया में खिले फूल आपके घर में चार-चांद लगाने के साथ ही आपके जीवन को भी महकाते हैं। क्यों न इस मौसम का फायदा उठाते हुए अपने घर को फूलों की महक से तरो-ताजा कर दिया जाए-

किस तरह लगाएं पौधे

पौधे लगाने से पहले इस बात पर जरूर ध्यान दें कि जिस जगह आप पौधा लगा रहे वहां मिट्टी की मात्रा अधिक और खाद की मात्रा कम रखें। आप जब नर्सरी से पौधा लेने जाएं तो इस बात का ख्याल रखे कि पौधा कम से कम 6 इंच का हो। तभी इसे क्यारियों तथा गमलों मे लगाया जा सकेगा और यह अच्छी तरह पनपेगा। जब आप पौधा लगा लें तो गमलों को ऐसी जगह रखें जहां इन्हें फलता-फूलता और बड़ा होता देखा जा सके।

कैसी हो गमले की सामग्री

एक अच्छा गमला तैयार करने के लिए गमले में दो हिस्सा मिट्टी और एक हिस्सा खाद मिलाएं। इस मिश्रण में एक बड़ा चम्मच नीमखली और एक चम्मच बोनीमील मिलाएं। यह आपको किसी भी नर्सरी में मिल जायेगा। कीड़ो से बचाने के लिए आप मेलेथिएन स्प्रे का प्रयोग कर सकती हैं। यह ऐसी कीटनाशक दवा है जो हर तरह के कीड़ों को मारने में कारगर है।

खास बातें

सर्दियों के मौसम में यह न सोचें कि पौधों को पानी की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेकिन ध्यान रखें कि यह जरूरत से ज्यादा न हो क्योकि सर्दियों मे पौधों को कम पानी की आवश्यकता पड़ती है।

सर्दियों में शाम को पौधों को पानी देने से बचें। शाम की जगह पौधों में सुबह और दोपहर में पानी दे सकती है।

पौधों के आस-पास के कचरे को नियमित रूप से साफ करें। अन्यथा पौधों को आक्सीजन नहीं मिल पायेगी जिससे पौधे मुरझा भी सकते हैं। पौधों की खराब टहनियों को समय-समय पर हटाती रहें। फूल-पौधों को समूह में रखने अच्छी तरह विकसित होंगे। पौधा लगाते समय पौधों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें।

जहां तक हो सके इस मौसम में पौधे लगाएं क्योकि अधिक सर्दियों में बीज पनप नहीं पाते हैं और जमीन के अन्दर ही सड़कर नष्ट हो जाते है।

(हार्टिकल्चर विभाग के अध्यक्ष आर.एन वशष्ठि से जया द्विवेदी की बातचीत पर आधारित)

क्या-क्या लगाएं बगिया में

नवम्बर-दिसम्बर ऐसे माह हैं जब आप 50 किस्म के फूल लगा सकती हैं। सब्जियों के कहने ही क्या, गाजर, मूली, करेला, बैंगन, सेम, टमाटर, हरी धनिया और न जाने कितनी तरह की सब्जियां लगाकर आप अपनी बगिया को हरा-भरा बना सकती हैं। इन दिनों माली की आवश्कता अधिक नहीं पड़ती है, फूल खुद-व-खुद खिल उठते है। आप इन दिनों बोगनबेलिया भी लगा कर अपनी बगिया को नयापन दे सकती है। बोगनबेलिया एक ऐसा पौधा है जो बारह महीने खिला रहता है।

नींबू के छिलकों से रंगत निखारें

- त्वचा की रंगत को निखारने के लिए नींबू के छिलकों को पिसकर कच्चे दूध में मिलाकर त्वचा पर लगाएं।
- चेहरे पर धब्बे हो गए हों तो थोड़े से कच्चे दूध में गाजर का रस, 8-10 बूंद संतरे का रस और एक छोटा चम्मच बादाम पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।
- होंठ अक्सर फटते हों तो स्नान करते समय नाभि में दो-तीन बूंद सरसों का तेल नियमित लगाएं।
- चेहरे पर बहुत ज्यादा चिकनाई रहती हो तो चेहरे की त्वचा पर नींबू के छिलके रगड़ें।
- टमाटर को काटकर चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ने से चेहरे के रोमछिद्रों में छिपी गंदगी व धूल-मिट्टी साफ हो जाएगी और त्वचा पर लाली आएगी।
- यदि आपकी त्वचा ज्यादा ऑयली है, तो त्वचा पर किसी भी तरह के मॉइश्चराइजर का प्रयोग करने के बजाय त्वचा को दिन में कम से कम 3-4 बार साफ पानी से अच्छी तरह अवश्य धोएं।
- यदि आपकी त्वचा नॉर्मल है तो त्वचा में और अधिक निखार लाने के लिए कच्चे दूध में रुई भिगोकर त्वचा को उससे साफ करें और चेहरा साफ पानी से धो लें।
- चेहरे पर खुले रोमछिद्र दिखाई देते हों तो त्वचा को गुलाब जल में नियमित रूप से दिन में 2-3 बार धोएं और रुई में एस्ट्रिन्जेंट लगाकर चेहरा साफ करें। उसके बाद चेहरे पर दो-तीन मिनट तक आइस क्यूब रगड़ें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2613

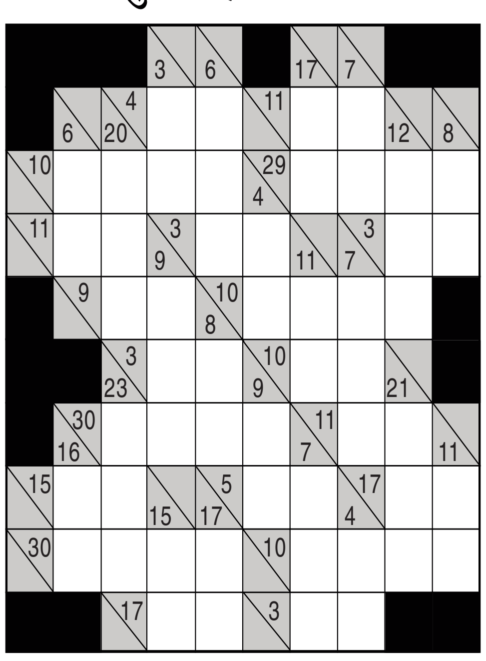

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

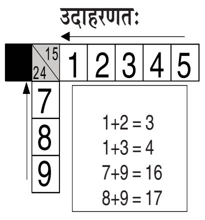

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2612 का हल

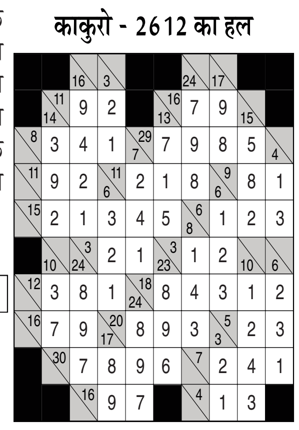

लॉफिंग जोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

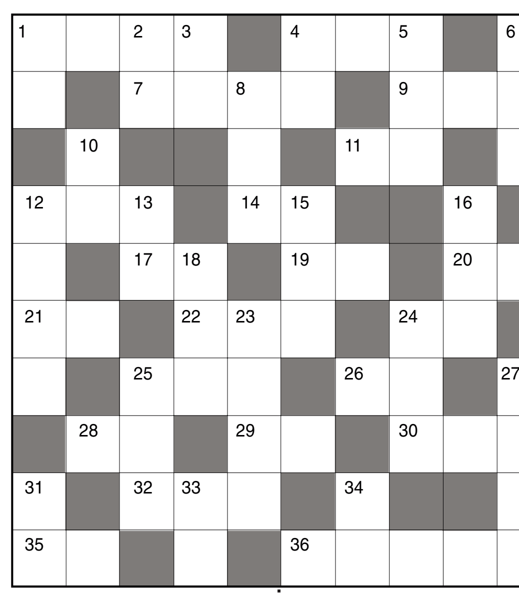

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

सूडोकु -2613

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2612 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2613

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -2612 का हल

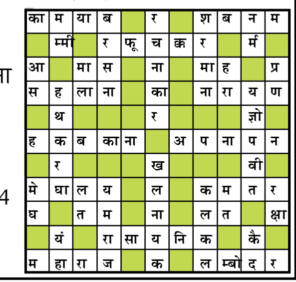

कानपुर ब्लास्ट : कोई आतंकी कनेक्शन नहीं, पटाखा भंडारण में हुआ था विस्फोट, एसओ समेत पांच निलंबित

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए ब्लास्ट मामले की प्रारंभिक जांच में अवैध पटाखा भंडारण का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार इस घटना में कोई आतंकी कनेक्शन नहीं है। इसकी जांच के लिए उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) टीम पहुंच गई है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने इस मामले में एसीपी कोतवाली को हटा दिया और मूलगंज थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया कि इस घटना का कोई आतंकी कनेक्शन नहीं है। खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने धमाके कराने का दावा बेबुनियाद है। विस्फोट वाली जगह पर दुकान से एक क्विंटल पटाखे मिले हैं। एक अन्य गोदाम से तीन क्विंटल पटाखे मिले हैं। इस संबंध में बिना लाइसेंस पटाखे रखने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। अब तक घटना में सम्मिलित 12 व्यक्तियों को हिरासत लिया है। दो स्कूटी घटनास्थल से बरामद की गई हैं, जिसमें एक चोरी की है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अवैध पटाखों भंडारण के मामले में मूलगंज थाना प्रभारी समेत पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित किया है। इसके साथ ही साथ सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत

रांची । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तात्कालिक तौर पर कानूनी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से उनके खिलाफ संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की पीठ ने यह आदेश पारित करते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया। पीठ ने कहा कि सीनियर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लेने का आदेश सत्र न्यायालय के आदेश से प्रभावित होकर पारित किया था। मामला वर्ष 2018 के कांग्रेस अधिवेशन में राहुल गांधी के उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को 'हत्यारा' कहकर संबोधित किया था। इस बयान के बाद चाईबासा निवासी भाजपा नेता प्रताप कटियार ने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि राहुल गांधी ने कहा था, 'कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते, यह सिर्फ भाजपा में संभव है।' इस मामले में अप्रैल 2022 में अदालत ने जमानती वारंट और फरवरी 2024 में गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

कर्नाटक सरकार ने मासिक धर्म अवकाश को मंजूरी दी, सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों पर लागू होगा

बेंगलुरु । कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने सभी क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं को हर महीने पेड पीरियड लीव देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक के बाद बेंगलुरु स्थित विधान सौध में मीडिया से बात करते हुए, विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने इसका ऐलान किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंत्री पाटिल ने बताया कि मासिक धर्म अवकाश राज्य भर के सरकारी कार्यालयों, कारखानों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी), आईटी फर्मों और निजी औद्योगिक क्षेत्रों में लागू होगा। चार राज्यों में अपनाई जा रही इस नीति के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री पाटिल ने कहा कि सरकार द्वारा कोई अध्ययन नहीं किया गया है। चूंकि यह नीति अन्य राज्यों में उपयोगी और सफल रही है, इसलिए इसे कर्नाटक में भी अपनाया गया है। राज्य के श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा, ÷हम पिछले एक साल से मासिक धर्म अवकाश देने का नियम लागू करने के लिए काम कर रहे हैं। महिलाओं पर कई जिम्मेदारियां होती हैं। घर के काम के साथ-साथ वे बच्चों की देखभाल भी करती हैं। मासिक धर्म के दौरान उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का तनाव होता है। इसलिए, हमने मासिक धर्म अवकाश देने पर विचार-विमर्श के लिए एक समिति बनाई। समिति ने सालाना छह दिन की छुट्टी की सिफारिश की थी। सरकार ने अब सालाना 12 दिन की छुट्टी देने का फैसला किया है।

एडीजे रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

धौलपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने जिला कारागृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लिनिक के संबंध में माननीय नालसा द्वारा जारी एसओपी में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं भोजन, आवास, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं व रसोईघर इत्यादि का जायजा लिया तथा कारागृह में निरुद्ध बंदीगण से वार्ता कर उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। इस मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस कॉउन्सिल अमित कम्ठान, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल पप्पू गुर्जर, असिस्टेंट एलएडीसी मीता अग्रवाल, आराधना शर्मा दीपक सिंह सिकरवार, जेल अधीक्षक सुमन कुमारी मीणा सहित कारागृह का स्टाफ एवं बंदी मौजूद रहे।

सर्दियों में घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा बल हर स्थिति से निपटने को तैयार रहें : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सर्दियां नज़दीक हैं और आतंकवादी बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सुरक्षा बलों को हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। अमित शाह ने यहां जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की आतंकवाद-मुक्त जम्मू और कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के ठोस और समन्वित प्रयासों के कारण अब जम्मू-कश्मीर में दुश्मन देशों द्वारा पोषित आतंकवादी नेटवर्क लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को जम्मू-कश्मीर

की शांति और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले हर प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है। सरकार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। गृह मंत्री ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद केन्द्रशासित प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तेजी से उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन कार्रवाइयों ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है तथा आतंकवादियों की किसी भी नई साजिश को नाकाम करने में मदद की है। अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों में सभी सुरक्षा एजेंसियों का तालमेल बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और संयुक्त ऑपरेशनों के दौरान समन्वय को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते विफल किया जा सके। गृह मंत्री ने विशेष रूप से कहा कि जैसे-जैसे सर्दियां बढ़ेंगी, आतंकवादी बर्फबारी और कम दृश्यता का फायदा उठाकर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को हर मौसम और हर परिस्थिति में तैयार रहना होगा ताकि कोई भी आतंकवादी तत्व हमारे सीमांत क्षेत्रों में प्रवेश न कर सके।

कफ सिरप में मिलावट मामले में तमिलनाडु सरकार ने दो वरिष्ठ औषधि निरीक्षकों को किया निलंबित

एजेंसी

चेन्नई। कफ सिरप में मिलावट मामले में दो वरिष्ठ औषधि निरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यह जानकारी तमिलनाडु के स्वास्थ्य एवं लोक कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यम ने गुरुवार को दी। उन्होंने कहा कि मामले में संबंधित दवा कंपनी को स्थायी रूप से बंद करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों वरिष्ठ औषधि निरीक्षकों को नोटिस जारी कर पूछा गया था कि उन्होंने दो साल तक श्रीसेन फार्मा निर्माण संयंत्र का निरीक्षण क्यों नहीं किया। मामले में संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया।

सुब्रमण्यम ने कहा कि कफ सिरप (कोल्ड्रिफ) में मिलावट की पुष्टि सबसे पहले तमिलनाडु ने की थी। हमने तुरंत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ ही मध्य प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी को कफ सिरप के सेवन से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में सूचित किया था। श्रीसेन फार्मा कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन की आज हुई गिरफ्तारी की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया गया। सुब्रमण्यम ने यह भी बताया कि मिलावट के बाद राज्य ने कोल्ड्रिफ की खरीद बंद कर दी और बाजार में इसकी बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने कहा, हमारी त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी आपदा टल गई।

राज्य सरकार के अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं चुनाव आयोग के अधिकारी : ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग के अधिकारी राज्य सरकार के अफसरों को धमका रहे हैं और राजनीतिक प्रभाव में काम कर रहे हैं, जबकि विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

राज्य सचिवालय 'नवान्न' में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि चुनाव आयोग बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब तक चुनाव की तिथियां घोषित नहीं हुईं, तब तक आयोग के अधिकारियों को राज्य सरकार के अफसरों को तलब करने का अधिकार कैसे है। ममता ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि इसके नाम पर 'लोकतंत्र से विश्वासघात' किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा एसआईआर के नाम पर आग से खेल रही है। वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ लोकतंत्र के साथ विश्वासघात के समान होगा। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया की देखरेख कर रहे एक अधिकारी खुद भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हैं और भ्रष्ट

अफसरों की नियुक्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अधिकारी खुद भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहा है। मेरे पास प्रमाण हैं कि वोट काटने की साजिश चल रही है। उम्मीद है कि वह देश और लोकतंत्र के साथ विश्वासघात नहीं करेगा। ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल ÷एनआरसी जैसी कवायद÷ के रूप में किया जा रहा है। यह एसआईआर असल में एनआरसी जैसी प्रक्रिया है जिसे बंगाल में लागू करने की कोशिश हो रही है। निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा एसआईआर के नाम पर आग से खेल रही है। वे हर एजेंसी का इस्तेमाल राजनीति के लिए कर रहे हैं, न कि जनसेवा के लिए। शिक्षा से लेकर संस्कृति और त्योहारों तक सब कुछ साम्प्रदायिक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के उस कथन पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि एसआईआर के बाद 1.5 करोड़ मतदाताओं को हटाया जाएगा। बनर्जी ने कहा, ÷कैसे कोई केंद्रीय मंत्री कह सकता है कि 1.5 करोड़ वोटर डिलीट कर दिए जाएंगे? क्या ये फैसले पार्टी दफ्तर में हो रहे हैं? चुनाव आयोग को तय करना चाहिए कि वह निष्पक्ष है या नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बीजेपी ने आग से खेलना बंद नहीं किया तो यह आग उसे राजनीतिक रूप से घेर लेगी

मेरी और भाजपा विधायक की हत्या की साजिश रची गई थी : सांसद खगेन मुर्मू

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद खगेन मुर्मू ने जलपाईगुड़ी जिले के नागरकाटा क्षेत्र में हुए हमले पर तीन दिन बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि हमलावरों का इरादा उनकी और भाजपा विधायक शंकर घोष की हत्या करने का था।सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में उपचाररत मुर्मू ने कहा, ÷हम दोनों (भाजपा विधायक शंकर घोष को भी) को एक साथ मारने की योजना बनाई गई थी। उन्होंने हमें गाड़ी से बाहर घसीटने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। अगर वे हमें बाहर निकाल लेते, तो पत्थरों से सिर कुचलकर हमें मार डालते।÷ सांसद के चेहरे की हड्डियां टूटने के कारण जल्द ही उनके चेहरे की सर्जरी की जाएगी। भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष नागरकाटा के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरण के लिए पहुंचे थे, तभी तृणमूल से जुड़े लोगों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया। इनमें से अधिकतर समुदाय विशेष से जुड़े लोग सीसीटीवी कैमरे में नजर आए हैं। हमलावरों ने डंडों, जूतों से प्रहार किया और नदी किनारे से पत्थर उठाकर उनकी गाड़ी पर फेंके। इस

हमले में सांसद मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दोनों नेताओं को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। शंकर घोष को बुधवार को छुट्टी मिल गई, लेकिन खगेन मुर्मू का उपचार अब भी जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, उनके बाएं गाल की हड्डी पर धातु की प्लेट लगाई जाएगी। मुर्मू के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर बंगाल विकास मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदयन गुहा ने कहा कि हत्या की साजिश का दावा अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर किया गया है। उन्होंने कहा, अगर किसी को उन्हें मारना होता, तो केवल गाल पर चोट कैसे आती? वह उनकी पार्टी द्वारा तैयार की गई स्क्रिप्ट को पढ़ रहे हैं। गुहा ने यह भी कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही इस हमले की निंदा की है और स्पष्ट किया है कि यह घटना 'गलत' थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाजपा नेताओं पर हुए हमले की निंदा की है।

झांसी में सीएम ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर अफसरों और जनप्रतिनिधियों संग की बैठक

एजेंसी

झांसी। जनपद झांसी के दौरे पर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय अफसरों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बुंदेलखंड के विकास की परियोजनाओं को लेकर सीएम ने खास तौर पर अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अधिकारियों ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए जनपद के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की स्थिति का ब्यौरा सीएम के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने पेयजल से संबंधित परियोजनाओं को पूर्ण करने में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि बीडा के अंतर्गत जमीन आवंटन कराने वाले

निवेशक तीन वर्षों के भीतर निवेश की प्रक्रिया शुरू करें, इस बात को सुनिश्चित किया जाए। जमीनों के लिए प्रस्ताव आने से पूर्व भूमि अधिग्रहीत कर ली जाए। युवाओं के स्वावलंबन के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे इस क्षेत्र में लगने वाले उद्योगों में उन्हें नौकरी मिल सके। सीएम ने निर्देश दिए कि माफिया के खिलाफ पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्ती से कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर अधिकारी बैठक करें। जन प्रतिनिधियों की समस्याओं का निराकरण किया जाए। मिशन शक्ति के अंतर्गत स्कूल जाने वाली बालिकाओं के साथ संवाद करने और उनके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की घटना को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस को अधिक से अधिक फुट पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।

सीएम ने निर्देश दिए कि एक करोड़ से अधिक की धनराशि वाली विकास परियोजनाओं के लिए नोडल अधिकारी बनाया जाए जो नियमित रूप से निरीक्षण करें। जनपद के समस्त किसानों को अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई तत्काल कराने और अनुदान राशि खातों में ट्रांसफर किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आत्मनिर्भरता के लिए गोबर से बने पेंट से जनपद के सभी सरकारी भवनों को पेंट कराने के निर्देश दिए।

केरल में कांग्रेस के तीन विधायक विधानसभा से निलंबित

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में द्वारपालक की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में अनियमितता के मुद्दे पर लगातार चौथे दिन विधानसभा की कार्यवाही बाधित हुई। विधानसभा में भारी हंगामे के बीच कांग्रेस के तीन सदस्यों को नियमों के उल्लंघन के आरोप में मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस के जिन तीन विधायकों को निलंबित किया गया है उनमें रोजी एम जॉन, एम विंसेंट और सनीश कुमार जोसेफ शामिल हैं। राज्य में कांग्रेस विपक्षी गठबंधन संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का प्रमुख घटक है। सोने की परत के मुद्दे पर यूडीएफ सदस्यों के हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही आज कुछ समय के लिए स्थगित की गयी। इसके बाद कार्यवाही शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने इस मुद्दे पर देवास्वोम मंत्री वीएन वासवान के इस्तीफे की मांग को लेकर सदन में नारे लगाए और बैनर भी लहराए। आरोप है कि यूडीएफ सदस्यों ने इस दौरान सदन में सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया जिससे चीफ मार्शल को चोटें आईं। विपक्षी विधायकों पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ धक्का-मुक्की करने का भी आरोप है।

इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री एमबी राजेश ने कांग्रेस के तीन सदस्यों के व्यवहार को लेकर सदन में प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया था कि नियमों के उल्लंघन के चलते कांग्रेस के तीन विधायकों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सत्तापक्ष के इस प्रस्ताव को कुछ ही देर में सदन ने पारित कर दिया।

मप्र सरकार प्रतिबंधित कफ सिरप से जुड़े किसी दोषी को नहीं बख्शेगी : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रतिबंधित कफ सिरप का उपयोग किए जाने के मामले से संबंधित किसी भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर पहुंचकर विभिन्न अस्पतालों में उपचाररत बच्चों का बच्चों का हाल जाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का सहयोग नही मिल रहा है। मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप की वजह से अब तक 22 बच्चों की मौत हो गई है और अभी भी कुछ बच्चे नागपुर में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी तमिलनाडु की दवा कंपनी के जिम्मेदार लोगों को दबोचा गया है और उनकी गिरफ्तारी हुई है। मध्य प्रदेश सरकार मानवीय और प्रशासनिक दोनों आधार पर कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागपुर में मीडिया से बातचीत में कहा कि तमिलनाडु में निर्मित दवा के उपयोग से ही बच्चों की मृत्यु की बात प्रमाणित हुई है। मध्य प्रदेश पुलिस ने दोषी लोगों की गिरफ्तारी की है। दुर्भाग्य की बात है कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर को दवा कंपनी की नियमानुसार जांच करना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा रेंडम सैंपल लेकर आवश्यक जांच करवाई गई और छिंदवाड़ा के की बात सामने आई है। त्रुटिपूर्ण यह दवा बच्चों को दी गई जिसके फलस्वरुप जीवन की क्षति हुई। उन्होंने कहा कि जैसे ही तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट आई, वैसे ही मध्य प्रदेश सरकार ने इस कफ सिरप पर प्रतिबंध लगाया। दवा कंपनी के

चिकित्सक सहित और अन्य दोषियों का निलंबन भी किया गया है और ड्रग कंट्रोलर को हटाया गया है। इसके साथ ही, जो डॉक्टर उस कंपनी की प्रतिबंधित दवा रोगियों के लिए लगातार लिख रहे है, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार को नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई करना चाहिए। अब तक की जांच में मूल रूप से मैन्युफैक्चरिंग के स्तर पर त्रुटि मालिक को भी गिरफ्तार किया गया। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रश्न किया कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने इस कंपनी को ड्रग लाइसेंस देने का कार्य किया? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटी सी जगह पर किस तरह फैक्टरी संचालित है, यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए।

यौन शोषण के आरोपी आसाराम की तबीयत फिर बिगड़ी, जेल से अस्पताल शिफ्ट

एजेंसी

जोधपुर। नाबालिग शिष्यों के यौन शोषण के आरोप में उम्र कैद की सजा काट रहे कथावाचक आसाराम की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले ही आसाराम महाराष्ट्र से इलाज करवाकर जोधपुर लौटे थे और वापस सेंट्रल जेल में रह रहे थे। दोपहर को अचानक उनकी हार्टबीट बढ़ गई और उन्हें असहज महसूस हुआ। स्थिति गंभीर होने पर जेल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आसाराम को भगत की कोठी स्थित आरोग्यम् चिकित्सा केंद्र में शिफ्ट किया। अस्पताल में उन्हें तत्काल चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। आसाराम को हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट से पेरोल मिली थी, जिसके तहत उनका माधवबाग में इलाज हुआ। पेरोल की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल वापस लाया गया था। लेकिन स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव के चलते उन्हें फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सपा मुखिया को संतों, सामाजिक न्याय के पुरोधाओं में सांप्रदायिकता दिखती है और दंगाइयों में शांति के दूत नजर आते हैं: योगी

एजेंसी

जालौन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जालौन की धरती पर समाजवादी पार्टी और उनके नेताओं को खूब धोया। सपा मुखिया अखिलेश यादव उनके निशाने पर रहे। सीएम ने बताया कि आज सपा मुखिया के बयान को पढ़ रहा था, उन्हें भारत के सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और संत परंपरा में सांप्रदायिकता दिखती है और दंगाइयों में शांति के दूत नजर आते हैं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दंगा-फसाद करने वाले शांति के कथित दूतों, बेटियों व व्यापारी के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा करने वालों की जगह बता दी है। यह भी तय कर दिया गया है कि दंगा और दंगाई, अपराध-अपराधियों के साथ खड़े होने वालों की जगह कहां होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जालौन की धरती पर समाजवादी पार्टी और उनके नेताओं को खूब धोया। सपा मुखिया अखिलेश यादव उनके निशाने पर रहे। सीएम ने बताया कि आज सपा मुखिया के बयान को पढ़ रहा था, उन्हें भारत के सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और संत परंपरा में सांप्रदायिकता दिखती है और दंगाइयों में शांति के दूत नजर आते हैं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दंगा-फसाद करने वाले शांति के कथित दूतों, बेटियों व व्यापारी के सामने

सुरक्षा का संकट खड़ा करने वालों की जगह बता दी है। यह भी तय कर दिया गया है कि दंगा और दंगाई, अपराध-अपराधियों के साथ खड़े होने वालों की जगह कहां होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने 1900 करोड़ से अधिक की 305 विकास परियोजनाओं की सौगात जालौनवासियों को दी। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम ने दीपावली से पहले इन योजनाओं के लिए जालौन वासियों को शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कहा कि प्रदेश में त्योहार चल रहे हैं। कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। उन्हें लगा कि जैसे सपा सरकार के समय उनके द्वारा उत्सव-त्योहारों के पहले दंगा किया जाता था, हिंदुओं के उत्साह पर पानी फेरने का कार्य होता था, यही कार्य वे अब भी कर लेंगे, लेकिन वे भूल गए कि यह भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार दंगाइयों के सामने नाक नहीं रगड़ती, बल्कि दंगाइयों को नाक रगड़वाकर त्योहारों के उत्साह को सुरक्षा व सम्मान के साथ आगे बढ़ाती है। 2017 के पहले त्योहारों में दंगाई उत्साह को भंग करते थे। सीएम ने कहा कि सपा को सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक अच्छे नहीं लगते थे। वे इन्हें तोड़ने की बात करती थी। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही सामाजिक न्याय व दलित उत्थान से जुड़े महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को समाप्त करने की घोषणा की थी। समाजवादी पार्टी ने 2012 में सत्ता में आते ही प्रदेश में एक जनपद, एक माफिया पैदा करके अराजकता फैलाना प्रारंभ कर दिया था। यह लोग नौजवानों के रोजगार पर डकैती और बेटी की सुरक्षा पर सेंध लगाते थे। उस समय इनके नेता कहते थे कि लड़के हैं, गलती कर देते हैं। जिस समाजवादी आंदोलन को डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे चिंतकों ने ऊंचाई दी थी, वह सपा आज गुंडे, पेशेवर माफिया व अपराधियों का जमावड़ा बन गई है। 2017 के पहले भी लोग कहते थे कि देख सपाई, बिटिया घबराई। यह भी कहते थे कि जिस गाड़ी में सपा का झंडा, देखो होगा सपा का गुंडा। यह लोग गरीबों को लूट रहे थे।

तेलंगाना सरकार को कोर्ट से झटका, निकाय चुनाव में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण पर रोक, चुनाव टले

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के स्थानीय निकाय चुनाव कराने और चुनाव में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी आदेश पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय के इस आदेश से कांग्रेस शासित राज्य सरकार को तगड़ा झटका लगा है।। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को दो सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उच्च न्यायालय ने सरकार को भी चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। इसी के तहत सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई है। न्यायालय के आदेश के बाद राज्य में स्थानीय निकायटल गए हैं। राज्य चुनाव आयोग उच्च न्यायालय के आदेश का निरीक्षण करने के बाद ही कोई निर्णय लेगा। इससे पहले स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़े वर्गों (बीसी) के आरक्षण के मुद्दे पर तेलंगाना उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल सुदर्शन रेड्डी ने अपनी दलीलें पेश करते हुए कहा कि सर्वेक्षण से पता चला है कि 57.6 प्रतिशत पिछड़े वर्ग की आबादी है। जब पिछड़े वर्गों की संख्या पर कोई आपत्ति नहीं है, तो याचिकाकर्ताओं को रिपोर्ट क्यों दी जाए? किसी भी पक्ष ने विधेयक पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। सरकारी वकील का कहना कि अगर राज्यपाल समय सीमा के भीतर इसे मंज़ूरी नहीं देते हैं, तो इसे क़ानून के रूप में मानना होगा। तमिलनाडु मामले में सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के अनुसार इसे अलग से अधिसूचित करने की कोई ज़रूरत नहीं है। अटॉर्नी जनरल सुदर्शन रेड्डी ने उच्च न्यायालय का ध्यान इस ओर दिलाया कि स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। अधिसूचना जारी होने के बाद अदालतें हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। केंद्र सरकार भी तेलंगाना का अनुसरण करेगी और जनगणना में जातिगत विवरण शामिल करेगी। शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण अलग-अलग हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण अलग है। इंदिरा साहनी का मामला शिक्षा और नौकरियों से जुड़ा है। उन्होंने बताया, हम सिर्फ़ राजनीतिक आरक्षण के लिए जीवो लाए थे। सरकार की ओर से एक अन्य वकील रवि वर्मा ने कहा कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि 50 प्रतिशत आरक्षण से ज़्यादा न हो। उन्होंने कोर्ट को बताया, तेलंगाना में सिर्फ़ 15 प्रतिशत आबादी को आरक्षण नहीं है। हम उन 15 प्रतिशत लोगों को 33 प्रतिशत सीटें दे रहे हैं। हालाँकि, सरकार की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना पर रोक लगा दी।

दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारत ने बनाये दो विकेट पर 318 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 318 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय यशस्वी नाबाद 173 व कप्तान शुभमन गिल 20 रनों पर खेल रहे थे। आउट होने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन 87 और केएल राहुल 38 रन रहे। सुदर्शन केवल 13 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। वह 165 गेंद पर 87 रन बनाकर आउट हुए। आज सुबह भारतीय कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। मैच में भारतीय बल्लेबाज छाये रहे। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का सातवों शतक लगा दिया और अब वह दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। अब देखना हो कि वह दूसरे दिन दोहरा शतक लगा पाते हैं या नहीं। राहुल के आउट होने के बाद सुदर्शन के साथ मिलकर यशस्वी ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सुदर्शन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की पर वह जोमेल वारिकन की गेंद पर आउट हो गये। वारिकन ने ही इससे पहले राहुल को भी अपना शिकार बनाया था। सुदर्शन के आउट होने के बाद शुभमन और यशस्वी ने भारतीय टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। मेहमान टीम की ओर से जायडन सील्स ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। शुरुआती घंटे में अच्छी गेंदबाज़ी करने के साथ ही वेस्टइंडीज़ ने अंतिम सत्र में भी आक्रामक गेंदबाजी कर विकेट लेने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुई। आज युशस्वी और सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट के लिए 193 रन की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही अपने 3000 रन भी पूरे किये।

यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही बनाये कई रिकार्ड, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3000 रन पूरे किये

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक लगाया। इसी के साथ ही वह एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद जैसे खिलाड़ियों के 24 साल से कम उम्र में सात शतक लगाने वाले चार खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। यशस्वी ने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल ने ये सातवां टेस्ट शतक 24 साल से कम उम्र में बनया है और ऐसे में अब वह मियांदाद, ग्रीम स्मिथ,कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है। वहीं इस मैच में यशस्वी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह 23 साल की उम्र में ऐसा कारनामा करने वाले 6ठे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की सूची में अपनी जगह बना ली है। 23 साल की उम्र में बतौर भारतीय सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। तेंदुलकर ने इस दौरान 8696 रन बनाए थे, वहीं विराट कोहली 5052 रनों के साथ ही सूची में दूसरे स्थान पर है। इस सूची में युवराज सिंह, सुरेश रैना और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं।

23 साल की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन

8696 – सचिन तेंदुलकर, 5052 – विराट कोहली, 3853 – युवराज सिंह, 3350 – सुरेश रैना, 3224 – रवि शास्त्री, 3000 – यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार के बाद बेहद नाराज नजर आयीं। इस मैच में भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी। विश्वकप में ये भारतीय टीम की पहली हार है। पहले मैच में उसने श्रीलंका और दूसरे में पाकिस्तान को हराया था। हरमनप्रीत ने हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि शीर्ष क्रम ने रन नहीं बनाये। इस मैच में ऋचा घोष के साथ मिलकर निचले क्रम की बल्लेबाजों ने रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऋचा की इस मैच में 94 रनों की पारी के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शुरुआती पांच विकेट गंवाने के बाद भी जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'शीर्ष क्रम ने जिम्मेदारी से नहीं खेला और अपने विकेट सस्ते में ही गंवा दिये।ये गलती इससे पहले के मैचों में भी हुई थी हालांकि हमें काफी सबक भी मिले हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें बैठकर बात करनी होगी कि एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए कौन सी चीजें हमारे लिए प्रभावी होंगी। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हमारे लिए मुश्किल पर हमें इससे काफी कुछ सीखने को भी मिला है। इससे हमें आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला कठिन रहा। दोनों टीमों ने ही शानदार खेल दिखाया। हालांकि बल्लेबाजी करते हुए हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 250 के स्कोर तक ही पहुंच पाये। दूसरी ओर विरोध टीम की क्लो और डी क्लार्क ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथों से छीन लिया। उन्होंने दिखाया कि पिच बहुत अच्छी थी और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उससे वे जीत की अधिकारी थीं।'

भारतीय टीम की ओर से ऋचा ने इस मैच में दक्षिए अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली, यह महिता एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में 8वें या उससे नीचे नंबर पर खेली गई अब तक की सबसे बड़ी पारी है। ऋचा की बल्लेबाजी को लेकर हरमन बोलीं, 'ऋचा हमेशा हमारे लिए हमेशा से ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। वह हमेशा मैच का रुख बदल सकती हैं। और जिस तरह से उन्होंने कठिन हालात में बल्लेबाजी की, हम सभी इसे देखकर बहुत खुश हुए।'

रणजी ट्रॉफी : दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।' राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।' बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीम

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

आईपीएल 2026 नीलामी की संभावित तारीख आई सामने, रिटेंशन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने BCCI अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

फ्रेंचाइजी सूत्रों का कहना है कि अगर BCCI भारत में ही मिनी-नीलामी आयोजित करने का फैसला करता है, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हालांकि यह फैसला अभी तक पक्का नहीं हुआ है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर है। तब तक, फ्रेंचाइजी को उन खिलाड़ियों के नाम जमा करने होंगे जिन्हें वे नीलामी से पहले रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। बड़े पैमाने पर बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं, सिवाय शायद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के, जो पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रहे थे।

ये खिलाड़ी हो सकते हैं रिलीज

रिलीज सूची में कथित तौर पर शामिल खिलाड़ियों में दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करेन और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं। आर अश्विन के IPL से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपए जुड़ चुके हैं। रॉयल्स की सूची में सबसे ऊपर संजू सैमसन होंगे, जब तक कि फ्रेंचाइजी कप्तान के लिए कोई ट्रेड नहीं कर लेती।

रॉयल्स द्वारा अपने दो श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश दीक्षाना को रिलीज करने की योजना की भी चर्चा थी, लेकिन कुमार संगकारा के मुख्य कोच के रूप में वापसी के साथ यह सोच बदल सकती है। टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को नई फ्रेंचाइजी की तलाश करनी पड़ सकती है, हालांकि अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है - ठीक वैसे ही जैसे पिछली नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर के मामले में हुआ था, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी के बीच चल रही चर्चा के अनुसार कैमरून ग्रीन के नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक होने की उम्मीद है। चोट के कारण पिछली नीलामी से चूकने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने पहले ही कई टीमों का ध्यान आकर्षित कर लिया है और निश्चित रूप से उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

राहुल डब्ल्यूटीसी में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों के विशेष क्लब में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ केएल राहुल ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन 16 रन बनाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल चैंपियनशिप विश्व टेस्ट (डब्ल्यूटीसी) में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज़ बन गये। राहुल ने जेडन सील्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर अपने 2000 रन पूरे किये। इसके साथ ही वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ डब्ल्यूटीसी में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की एक खास सूची में शामिल हो गये। अभी भारतीय टीम की ओर से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन ऋषभ पंत के नाम 2731 हैं। उनके बाद रोहित शर्मा 2716 रन, शुभमन गिल 2697 रन, विराट कोहली 2617 रन, रवींद्र जडेजा 2505 रन और यशस्वी जायसवाल 2251 रन हैं। वहीं विश्व में सबसे अधिक रन का रिकार्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं।

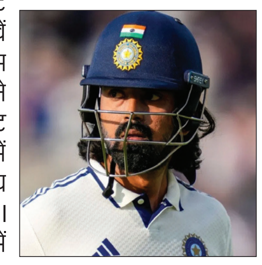

प्रशंसक रोहित, विराट की बल्लेबाज देखने स्टेडियम जरुर जाएं : हैडिन

सिडनी। इस माह भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौर में सभी के आकार्षण का केन्द्र भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रहेंगे। ये दोनो ही करीब सात महीने बाद खेलते नजर आयेंगे। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ब्रैड हैडिन ने क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा है कि इस बार स्टेडियम जाकर मैच जरुर देख लें क्योंकि ये विराट और रोहित का अंतिम दौरा हो सकता है। हैडिन ने कहा, ' वे खेल के महान खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि यह आखिरी बार होगा जब वे हमारे मैदानों पर खेलते दिखेंगे। इसलिए उनको खेलते हुए देखने के इस अवसर को मत खोना।' उन्होंने कहा कि शुभमन के कप्तान बनने के बाद अब रोहित केवल एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। भारतीय टीम का ये दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें वह तीन एकदिवसीय और पाँच टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विराट और रोहित, दोनों ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है और अब ये दोनो केवल एकदिवसीय सीरीज में ही नजर आयेंगे। टी20 से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। रोहित ने साल 2017 में एकदिवसीय कप्तानी संभाली थी और अब तक 56 मैचों में 42 जीत दर्ज की हैं। उनका 75फीसदी का जीत प्रतिशत उन्हें दुनिया के सबसे सफल सफेद गेंद कप्तानों में शामिल करता है। हैडिन ने भारतीय टीम के उभरते हुए टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी को देखने के लिए पैसे खर्च करो।'

पूर्व क्रिकेटर जूलियन की याद में काली पट्टी बांधकर उतरी वेस्टइंडीज टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरु हुए दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर उतरे। रोस्टन चेज की कप्तानी वाली इंडीज टीम के खिलाड़ियों ने दिवंगत बर्नार्ड जूलियन की याद में काली पट्टी बांधी थी। 75 साल के जूलियन का 4 अक्टूबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वाल्सेन में निधन हो गया। जूलियन ने वेस्टइंडीज की ओर से साल 1973-77 के दौरान 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में जूलियन ने 30.92 की औसत से 866 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। जूलियन ने टेस्ट मैचों में 37.36 के औसत से 50 विकेट भी लिए हैं। वह 1975 विश्वकप विजेता टीम के भी सदस्य रहे थे।

जूलियन के नाम पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 14.33 की औसत से 86 रन दर्ज हैं। उनके नाम 18 विकेट भी हैं। दिल्ली टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में दो बदलाव किए. ब्रैंडन किंग और जोहान लेन की जगह पर विकेटकीपर टेविन इमलाच और तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप को शामिल किया गया है। दूसरी ओर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मैक्सवेल को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल अभी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। मैक्सवेल को उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैक्सवेल ने अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले नेट सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भारत के खिलाफ 29 और 31 अक्टूबर को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है। मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद मेरे भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में खेलने की थोड़ी उम्मीद बनी है हालांकि इसके लिए मुझे शीघ्र फिटनेस हासिल करनी होगी।'' मैक्सवेल ने जल्द से जल्द फिट होने के लिए सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे वह भारतीय टीम के साथ होने वाली सीरीज के अंतिम तीन मैचों में खेल सकें। ये मैच होबार्ट में दो नवंबर, गोल्ड कोस्ट में छह नवंबर और ब्रिस्बेन में आठ नवंबर को खेले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, ''मैंने सर्जरी इसलिए करवाई, क्योंकि मुझे दो विकल्प दिए गए थे या तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज से हट जाऊं या उसमें खेलने के लिए अपनी उम्मीद बनाये रखूं। इससे मेरी उस सीरीज में खेलने की उम्मीद बनी रहेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भी मैं बीबीएल में खेल पाउंगा और मुझे लगता है कि इससे मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट रहने में सहायता मिलेगी।'' मैक्सवेल ने कहा कि उनकी कलाई से प्लास्टर हटा दिया गया है पर अभी वह सावधानी रखने के लिए प्लास्टिक की पट्टी पहनेंगे पर उन्हें कलाई को फिर से हिलाने-डुलाने की अनुमति मिल गयी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि वह अभी ज्यादा आगे का नहीं सोच रहे। मैक्सवेल ने कहा, ''मैं इस समय सचमुच बीबीएल के पहले दौर के बारे में सोच रहा हूं।''मैक्सवेल ने कहा कि वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) को लेकर उत्साहित हैं, जहां वह मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन के साथ अनुबंध को टूर्नामेंट के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

विराट-रोहित अजीत अगरकर की शर्तों पर सहमत, न्यूजीलैंड वनडे से पहले घरेलू टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देशों का पालन करते हुए आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में खेलने पर सहमति जताई है। यह फैसला जनवरी में होने वाली न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज़ से पहले लिया गया है। अगरकर ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि हर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी, जो फिट और उपलब्ध है, उसे घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना होगा ताकि 2027 वनडे विश्व कप सहित भविष्य की टीम चयन प्रक्रिया में अपनी दावेदारी बनाए रखी जा सके।

अगरकर का सख्त निर्देश- 'घरेलू क्रिकेट से दूरी अब बर्दाश्त नहीं'

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लगातार घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी बनाए रखने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मैचों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में खेलना अनिवार्य होगा। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की घोषणा के दौरान अगरकर ने दो टूक कहा था, ÷घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम का आधार है। जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें उसमें भाग लेना ही होगा।'

कोहली और रोहित की उपलब्धता की पुष्टि

रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। दोनों खिलाड़ी कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, '6 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच पाँच हफ़्तों का अंतर है। इस दौरान खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए खेल सकते हैं।' रोहित मुंबई और कोहली दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के विनय ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

काहिरा (मिस्त्र) (एजेंसी)। भारत के उभरते पैरा पावरलिफ्टिंग स्टार विनय ने काहिरा, मिस्त्र में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन 72 किग्रा जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। विनय ने अपने तीन प्रयासों में 137 किग्रा, 142 किग्रा और 147 किग्रा की प्रभावशाली श्रृंखलाएं दर्ज कीं। उनके 147 किग्रा के अंतिम भार को रेफरी ने अमान्य घोषित कर दिया, लेकिन 142 किग्रा का उनका दूसरा सफल भार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त था जिसमें उन्होंने पोलैंड के मिकोलज कोसियुबिस्की को, जिन्होंने 141 किग्रा भार उठाया था, मामूली अंतर से हराया।

इक्वाडोर के सेबेस्टियन एफ. ने 137 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता। यह विनय की दूसरी बड़ी अंतर्राष्ट्रीय जीत है - इससे पहले, उन्होंने मिस्त्र के शर्म-अल-शेख में पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप 2024 में 59 किग्रा जूनियर वर्ग में 120 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले विनय का सफर साहस और दृढ़ संकल्प से भरा है। एक गरीब परिवार में जन्मे - उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं - विनय का जीवन तब बदल गया जब भारतीय पैरा पावरलिफ्टिंग टीम के कोच जे.पी. सिंह ने एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना।

सिंह के मार्गदर्शन में विनय ने अपनी क्षमता को विश्व स्तरीय प्रदर्शन में बदल दिया। यह स्वर्ण पदक न केवल भारत के लिए अपार गौरव की बात है, बल्कि लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने के रास्ते में विनय की स्थिति को भी मजबूत करता है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद, उत्साहित विनय ने कहा, 'यह पदक सिर्फ़ मेरा नहीं है - यह हर उस व्यक्ति का है जिसने मुझ पर तब विश्वास किया जब मेरे पास कुछ नहीं था।

गोरखपुर की छोटी गलियों से लेकर काहिरा के विश्व मंच तक, यह सफर आसान नहीं था। मैं भारतीय टीम के कोच जितेंद्र पाल सिंह, राजिंदर सिंह राहेलू और नितिन आर्य सर का शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने मुझमें उस समय क्षमता देखी जब किसी और ने नहीं देखी थी। मैं यह स्वर्ण पदक अपने परिवार, अपने देश और हर उस युवा एथलीट को समर्पित करता हूँ जो परिस्थितियों से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।'

भारतीय टीम के कोच जेपी सिंह ने कहा, 'विनय की जीत कड़ी मेहनत, अनुशासन और विश्वास की सफलता का प्रतिबिंब है। जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब उनमें अटूट शक्ति थी, लेकिन कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था। आज, वह एक विश्व चैंपियन हैं। उनकी सफलता दर्शाती है कि सही समर्थन के साथ, भारत के पैरा एथलीट किसी भी वैश्विक मंच पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।'

भारत ने इस विश्व चैंपियनशिप में 3 जूनियर और 22 सीनियर एथलीटों सहित 25 पैरा पावरलिफ्टरों की एक मजबूत टीम उतारी है।

शाहीन अफरीदी की पाकिस्तान टेस्ट टीम में वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिला मौका

लाहौर। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की करीब 17 महीनों के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान की टेस्ट टीम में वापसी हो रही है। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच 12 अक्टूबर से लाहौर में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में यह दोनों टीमों का पहला मैच होगा। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने 16 सदस्यीय टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया है। ऐसी चर्चा है कि ये मैच स्पिनरों की मददगार पिच पर खेले जायेंगे लेकिन टीम पहले टेस्ट में संतुलित गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी। शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद के साथ नयी गेंद संभालेंगे, जबकि स्पिन का दारोमदार नौमान अली और साजिद खान पर होगा। 25 साल के शाहीन ने मई 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप का फाइनल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता था। टीम को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में हालांकि कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वह चोटिल होने के कारण इस दौरे पर नहीं आए हैं।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

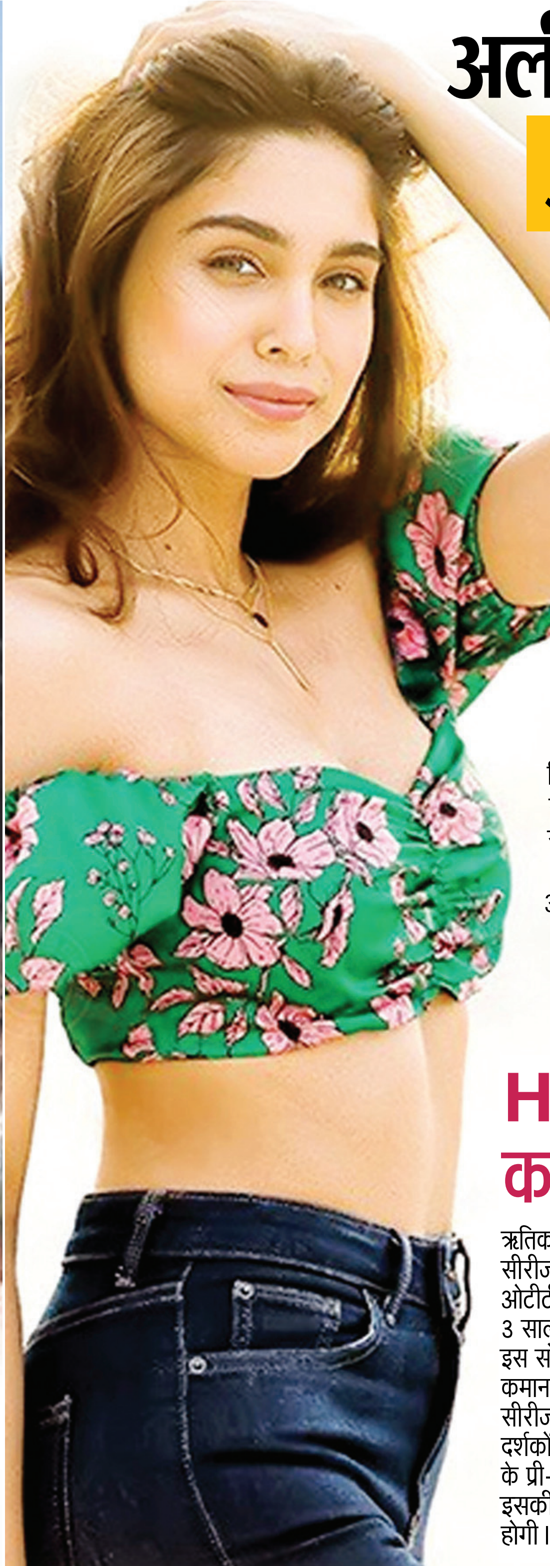

‘सैयारा’ फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित

कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

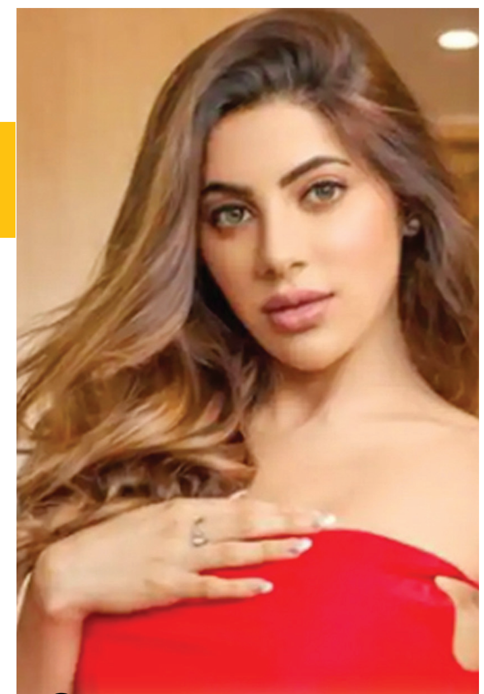

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

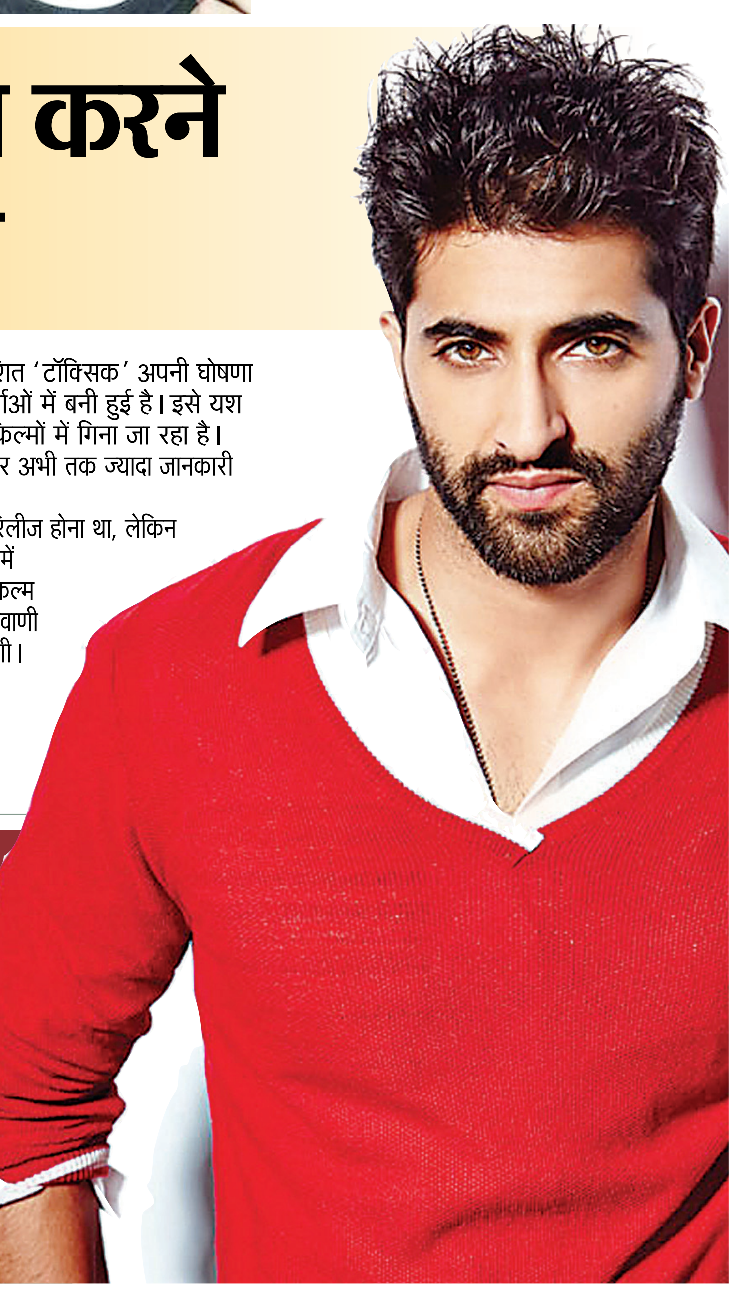

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म ‘टॉक्सिक’ में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता।

‘टॉक्सिक’ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित ‘टॉक्सिक’ अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। ‘टॉक्सिक’ के अलावा यश नितेश तिवारी की ‘रामायण’ को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्स्प्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो ।
आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचि
त

आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

प्यार में तकरार भी जरूरी

मुकूल और चेतना की शादी के दस साल हो गए लेकिन उनके रिश्ते में वही प्यार और नयापन देखने को मिलता है जो शादी के शुरुआती दिनों में था। एक दिन जब उनके फ्रेंड्स ने इसका राज पूछा तो जवाब आया 'लड़ाई'। जी हां, लड़ाई, सुनने में तो यह बड़ा ही अटपटा लगता है पर यह एक ऐसा कैटेलिस्ट है जो रिश्तों में रिफ्रेशमेंट लाता है। पति-पत्नी का नाजुक और पवित्र रिश्ता पूरी तरह प्यार पर ही निर्भर करता है। लेकिन दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के अन्य पहलुओं को जानने के लिए कभी-कभी तकरार की भी जरूरत पड़ती है। क्योंकि तकरार के बिना संबंधों में नयापन नहीं आ सकता। दाम्पत्य जीवन में नोक-झोंक और रुठने-मनाने का सिलसिला मैरिड लाइफ को रिफ्रेश कर देता है।

अधिकतर लोगों का यह मानना है कि जो कपल झगड़ते हैं वहां आपसी सामंजस्य की कमी होती है, पर सच्चाई तो यह है कि झगड़े में कहीं न कहीं अच्छे मैरिड लाइफ का एहसास भी छिपा होता है।

परफेक्शन का दायरा बढ़ाता है

परफेक्शन के इस दौर में हर कोई खुद को परफेक्ट की श्रेणी में रखता है और हर कपल खुद को मेड फॉर इच अदर वाला परफेक्शन देना चाहता है। इसलिए शादी के कुछ महीनों तक वे दोनों एक-दूसरे की इच्छाओं का खूब

ध्यान रखते हैं और इसी चक्कर में उनकी लाइफ रुल्स और परफेक्शन में बंधकर रह जाती है। नतीजा होता है नीरस और ऊबाऊ जीवन। पति-पत्नी के बीच होती छोटी-मोटी छेड़छाड़ एक रिफ्रेशर का काम करती है जो न केवल उनके संबंधों में ताजगी बनाए रखती है बल्कि परफेक्शन के दायरे को और भी अधिक बढ़ाती है। इस बावत 45 वर्षीय सीमा जो एक गृहिणी हैं कहती हैं- परफेक्शन की सीमा हर किसी के लिए अलग-अलग होती है। इसलिए मैं अपने पार्टनर को परफेक्शन के फ्रेम में नहीं जकड़ती। हर किसी के लिए परफेक्शन की परिभाषा अलग होती है और जो इसमें बंधकर रहते हैं वे हमकदम नहीं बल्कि परेशानी का सबब बनकर रह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर 35 वर्षीय रविशंकर जो एक बिजनेस मैने हैं कहते हैं कि परफेक्शन के चक्कर में कई बार लोगों की गृहस्थी बिखर जाती है। क्योंकि परफेक्शनिस्ट होने का जुनून उनके नोक-झोंक को गंभीर विवाद में तब्दील कर रख देता है।

झगड़ा यानी प्रेम परीक्षा

हर व्यक्ति के अंदर ईर्ष्या, क्रोध, नफरत आदि भावनाएं पनपती हैं। दो अलग-अलग व्यक्ति की भावनाएं और मन:स्थिति एक जैसी नहीं होती इसलिए पति-पत्नी के बीच तकरार न हो ऐसा नहीं हो सकता। हर बात पर प्यार और सहमति बनावटीपन को बढ़ावा देता है।

पति-पत्नी में विश्वास तभी पनपता है जब वे एक-दूसरे को कहने का मौका देते हैं। लेकिन बातें अगर छुपाई जाए तो भरोसा उठने लगता है। उसी तरह कई बातें दिलोदिमाग पर भी असर डालती हैं। ऐसे में दोनों के बीच प्रेम नहीं बल्कि प्रेम का अभिनय मात्र ही रह जाता है।

प्रेम और कलह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए झगड़ने से मन का गुब्बार निकल जाता है और मन शांत होकर पुन: प्रेम से भर जाता है। पति-पत्नी का साथ जीवनभर का होता है इसलिए लड़ाई भी करनी हो तो 'रात गई बात गई' वाले अंदाज में झगड़ें। इससे रिश्तों में दरार नहीं आएगी।

दो भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं होते, इसलिए विचारों की टकराहट ही प्रेम परीक्षा है जिससे उनके वैवाहिक जीवन की डोर मजबूत होती है। जहां प्यार है वहां झगड़ा होगा ही। दो लोग आपस में तभी झगड़ते हैं जब वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं। इसलिए एक मीठी झड़प के बाद पति-पत्नी दोनों में फिर से प्यार का अहसास जाग जाता है।

रुठना-मनाना यानी दिल के करीब आना

रुठना-मनाना भी एक कला है। दांपत्य जीवन में छोटी-मोटी टकराहट हमेशा होती रहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर बात जोर जबर्दस्ती या चिल्लाकर कही जाए। यूं देखा जाए तो शब्दों में बड़ी ताकत होती है। थोड़े से कटु वचन कई महाभारत रच डालते हैं। इसलिए कटु वचन से बचना चाहिए। बहस सिर्फ अहंकार को जन्म देती है।

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है।

मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत जरूर मिल सकती है।